फाल्गुन कृष्ण पक्ष - 10, 2082 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-09, अंक - 219 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांक: म।प्र।/4-474/2024-26

भोपाल
12 फरवरी 2026 गुरुवार

आज का मौसम
30.2 अधिकतम
13.4 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

Page-7

- लोकसभा में आज भी नहीं चल सका प्रश्नकाल
- प्ले कार्ड और पोस्टर लेकर वेल में पहुंचे विपक्षी सांसद
- रिजिजू ने जारी किया स्पीकर से दुर्व्यवहार का वीडियो

संसद में घमासान...राहुल के खिलाफ नोटिस, खतरे में आ सकती है सांसदी

नईदिल्ली, एजेंसी

बजट पर चर्चा के दौरान गुरुवार भी लोकसभा में हंगामे के कारण प्रश्नकाल नहीं चल सका। सदन शुरू होते ही विपक्ष ने हंगामा कर दिया। सांसद प्ले कार्ड और पोस्टर लेकर वेल में पहुंच गए। इस बीच नारेबाजी भी होती रही। इसके बाद सदन को 12 बजे तक स्थगित कर दिया गया । इससे पहले, संसदीय कार्यमंत्री किरेन रिजिजू ने एक्स पर एक वीडियो पोस्ट किया जिसमें 4 फरवरी को लोकसभा स्पीकर के चैंबर में हंगामे का जिक्र है। रिजिजू ने दावा किया है कि विपक्षी सांसदों

ने प्रियंका गांधी की मौजूदगी में गालियां दीं। हालांकि प्रियंका गांधी ने कहा कि गालियां देने वाली बात झूठी है। उधर , भाजपा के निशिकांत दुबे ने राहुल गाँधी के खिलाफ विशेषाधिकार हनन का नोटिस दिया है जिसमें उनकी सदस्यता खत्म करने की मांग की है।

संसद में आज भी बजट पर चर्चा जारी है, लेकिन माहौल केवल आर्थिक मुद्दों तक सीमित नहीं है। लोकसभा की कार्यवाही शुरू होते ही हंगामा हुआ और कुछ ही मिनटों में सदन की कार्यवाही को स्थगित कर दिया गया। इसी बीच संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू की आपत्ति के बाद राहुल गांधी पर विशेषाधिकार हनन की कार्रवाई का खतरा मंडरा रहा है। यदि मामला औपचारिक रूप से सदन में आता है और आगे बढ़ता है, तो यह राहुल गांधी के लिए संसदीय और कानूनी दोनों स्तरों पर चुनौतीपूर्ण हो सकता है, यहां तक कि उनकी सांसदी पर भी संकट आ सकता है। राहुल गांधी के भाषण को लेकर संसद परिसर में तीखी बयानबाजी होती रही। निशिकांत दुबे ने कहा, मैंने आज लोकसभा में राहुल गांधी के खिलाफ एक मोशन पेश किया है कि कैसे वह सोरोस जैसी ताकतों की मदद से देश को गुमराह कर रहे हैं, जो देश को नुकसान पहुंचाना चाहते हैं। मैंने जो मोशन पेश किया है, उसमें मैंने आग्रह किया है कि राहुल गांधी की मेंबरशिप खत्म कर दी जाए और उन पर जिंदगी भर के लिए चुनाव लड़ने पर रोक लगा दी जाए। केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने कहा- राहुल गांधी जिस तरीके से टिप्पणी करते हैं और मर्यादा छोड़कर सिर्फ सदन में बोलने के लिए कुछ भी कहते हैं। मैं मानता हूं वे गंभीर पद पर हैं और उन्हें अपनी पद की गंभीरता को समझना जरूरी है।

विशेषाधिकार हनन प्रस्ताव

विशेषाधिकार हनन प्रस्ताव के जरिए संसद/विधानसभा का कोई सदस्य किसी दूसरे सदस्य, मंत्री या अधिकारी के हाथों सदन के विशेषाधिकारों के उल्लंघन के मुद्दे को सदन में रख सकता है। संविधान के अनुच्छेद 105 में संसद सदस्य के विशेषाधिकारों के बारे में लिखा गया है। इन अधिकारों में सदन में बोलने की स्वतंत्रता, किसी बयान पर कोर्ट में मुकदमा न चलना, सही और पूरी जानकारी पाने का अधिकार शामिल है। अगर इन अधिकारों का उल्लंघन होता है, तो उसे विशेषाधिकार हनन माना जाता है। विशेषाधिकार हनन प्रस्ताव में संबंधित सदस्य लोकसभा राज्यसभा अध्यक्ष को नोटिस देता है। स्पीकर तय करते हैं कि मामला गंभीर है या नहीं। यदि अनुमति मिलती है, तो इसे विशेषाधिकार समिति को भेजा जाता है। समिति जांच कर रिपोर्ट देती है। दोषी पाए जाने पर सदस्य को फटकार, चेतावनी, हिरासत अथवा सदन से निलंबित किया जा सकता है।

भोपाल में केंद्र सरकार के खिलाफ प्रदर्शन कर नारे लगाते कर्मचारी।

श्रमिक हड़ताल का प्रदेश सहित देशभर में मिला-जुला असर

भोपाल, दोपहर मेट्रो

नए श्रम कानूनों और अन्य नीतिगत मुद्दों के विरोध में केंद्रीय श्रमिक संगठनों की देशव्यापी हड़ताल का मध्य प्रदेश में गुरुवार को मिला-जुला असर देखने को मिला। जबलपुर और इटारसी में रक्षा प्रतिष्ठानों के कर्मचारियों ने प्रदर्शन किए, जबकि अधिकांश शहरों में बाजार, स्कूल और सार्वजनिक परिवहन सामान्य रूप से संचालित होते रहे। कई स्थानों पर केंद्रीय सरकारी कर्मचारियों ने सांकेतिक विरोध दर्ज कराने के बाद काम पर वापसी कर ली। ट्रेड यूनियनों के संयुक्त मोर्चे– आईएनटीयूसी, एआईटीयूसी, एचएमएस, सीटू, एआईयूटीयूसी, सेवा सहित बैंक, बीमा, बीएसएनएल और अन्य केंद्रीय कर्मचारी संगठनों–ने हड़ताल का आह्वान किया था। देश में कई शहरों में कर्मचारियों ने प्रदर्शन किए और कुछ घंटे काम बंद कर लौट आए। जबलपुर की आयुध निर्माणी खमरिया, व्हीकल फैक्टरी और अन्य रक्षा इकाइयों के बाहर कर्मचारियों ने नए श्रम कानूनों को कर्मचारी विरोधी बताते हुए नारेबाजी की।

न्यूज विंडो

टी-20 में भारत का दूसरा मैच आज नामीबिया से

नई दिल्ली। टी-20 वर्ल्ड कप के 18वें मुकाबले में आज मेजबान भारत के सामने नामीबिया की चुनौती है। दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में मुकाबला शाम 7 बजे से शुरू होना है, जिसका टॉस 6.30 बजे होगा। भारत ने पहले मैच में अमेरिका को हराया था, वहीं नामीबिया को नीदरलैंड से हार का सामना करना पड़ा। आज का मैच जीतकर टीम इंडिया ग्रुप-ए के पॉइंट्स टेबल में टॉप पर पहुंच सकती है। वहीं नामीबिया के पास भी जीत के साथ नंबर-2 पर पहुंचने का मौका है। पाकिस्तान 4 पॉइंट्स के साथ नंबर-1 पर है।

रिपोर्ट में दावा: पायलट ने फ्यूल स्विच बंद किए!

नईदिल्ली। एअर इंडिया हादसे की जांच चल रही है। इस बीच इटली की एक मीडिया रिपोर्ट में बड़ा दावा किया गया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि भारतीय जांचकर्ता जो अंतिम रिपोर्ट तैयार कर रहे हैं, उसमें विमान हादसे की वजह पायलट द्वारा जानबूझकर फ्यूल स्विच बंद करने को बताया गया है। इटैलियन न्यूज पेपर कोरिएरे डेला सेरा ने बुधवार को जारी अपनी रिपोर्ट में पश्चिमी एविएशन एजेंसियों से जुड़े अपने सूत्रों के हवाले से यह दावा किया है।

जलस्त्रोतों की बदहाली पर मध्य प्रदेश हाईकोर्ट सख्त

इंदौर। पुराने कुएं, बावड़ी, तालाबों की बदहाली पर मध्य प्रदेश हाई कोर्ट की इंदौर खंडपीठ ने सख्ती दिखाई है। बड़वानी जिले के पाटी ब्लाक में जल संकट पर चल रही स्वतः संज्ञान याचिका में सुनवाई करते हुए कोर्ट ने कहा कि यह मामला सिर्फ बड़वानी जिले का नहीं, बल्कि पूरे प्रदेश का है। हमें पुराने जलस्त्रोतों के पुनरुद्धार को लेकर गंभीरता से विचार करना होगा। कोर्ट ने प्रमुख सचिव (राजस्व) से कहा है कि प्रदेश के सभी कलेक्टरों की मीटिंग कर उचित नीति बनाएं।

आज का कार्टून

बांग्लादेश चुनाव, कई सेंटरों पर फेंके बम

वोटिंग के दौरान हुई हिंसक झड़प में बीएनपी नेता की मौत

ढाका, एजेंसी

बांग्लादेश में आम चुनाव के लिए वोटिंग जारी है। इस दौरान खुलना में एक वोटिंग सेंटर के बाहर जमात-ए-इस्लामी कार्यकर्ताओं के साथ झड़प में एक बीएनपी नेता मोहिबुज्जमान कोच्चि की मौत हो गई।

बीएनपी का कहना है कि उनकी मौत तब हुई जब जमात के एक नेता ने उन्हें धक्का दे दिया, जिससे वो पेड़ से टकरा गए। वहीं, जमात नेता का दावा है कि मोहिबुज्जमान हंगामे के दौरान बीमार पड़ गए थे और उन्हें हार्ट अटैक आ गया, जिससे उनकी मौत हो गई। उधर बांग्लादेश के मुंशीगंज-3 और गोपालगंज सदर इलाके में वोटिंग सेंटर के बाहर देसी बम फेंके गए। मुंशीगंज-3 में धमाके के बाद कुछ देर के लिए

वोटिंग रोकी गई थी, जो अब फिर से शुरू हो गई है। वहीं गोपालगंज सदर इलाके में धमाके से दो जवान (अर्द्धसैनिक बल) और एक 14 साल की लड़की घायल हो गई। बांग्लादेश में आम चुनाव के लिए 51 राजनीतिक पार्टियां मैदान में हैं, लेकिन मुख्य मुकाबला जमात-ए-इस्लामी और बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी में माना जा रहा है।

25 साल बाद बीएनपी सरकार के आसार, लेकिन बहुमत नहीं! - पेज 8

एक और हिंदू की हत्या, चाय बागान में मिली लाश

बांग्लादेश में हिंदुओं की हत्या का सिलसिला थम नहीं रहा। चुनाव के ठीक एक दिन पहले एक हिंदू की हत्या कर दी गई। घटना मौलवीबाजार जिले की है। मृतक की पहचान 28 साल के शख्स रतन शुवो के रूप में हुई है, जो चाय बागान में काम करता था। रिपोर्ट्स के मुताबिक मृतक के शरीर पर चोट के गहरे निशान थे। वहीं, चाय बागान से बरामद शव के हाथ पैर भी बंधे हुए थे, जिससे बदलते राजनीतिक माहौल में माइनॉरिटीज में नई चिंताएं पैदा हो गई हैं। स्थानीय पुलिस ने कहा कि मृतक इस्लामपुर यूनियन के तहत चंपारा टी गार्डन में काम करने वाला श्रमिक रतन शुवो है। स्थानीय मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, लोकल लोगों ने सुबह करीब 10:00 बजे उस चाय बागान में लाश देखी जहां वह काम करता था और पुलिस को सूचना दी। बकौल प्रत्यक्षदर्शी रतन की लाश पर चोट के निशान थे और वह खून से लथपथ थी। उसके साथ काम करने वाले श्रमिक ने आरोप लगाया कि रतन को कहीं और मारा गया होगा और बाद में लाश को वहीं फेंक दिया गया होगा।

बिहार के सुपौल जिले में शिकायत, इलाज के बहाने ले गए थे अस्पताल

पहली पत्नी बोली, उदित ने निकलवा दिया गर्भाशय

पटना, एजेंसी

बॉलीवुड के मशहूर प्लेबैक सिंगर उदित नारायण एक बार फिर विवादों में घिर गए हैं। उनकी पहली पत्नी रंजना ने बिहार के सुपौल जिले के महिला पुलिस थाने में गंभीर आरोपों के साथ शिकायत दर्ज कराई है। रंजना का दावा है कि मेडिकल इलाज के बहाने उनकी जानकारी और सहमति के बिना उनका यूट्रस (गर्भाशय) निकाल दिया गया।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार रंजना मंगलवार को अपने वकील करुणाकांत झा के साथ महिला थाने पहुंचीं और एक औपचारिक आवेदन सौंपा। अपनी शिकायत में उन्होंने उदित नारायण, उनके दो भाइयों संजय कुमार झा और ललित नारायण झा और उनकी दूसरी पत्नी दीपा नारायण पर

आपराधिक साजिश (क्रिमिनल कॉन्सपिरेसी) में शामिल होने का आरोप लगाया है।

दूसरी शादी का आरोप

रिपोर्ट के अनुसार रंजना ने अपने आवेदन में बताया कि वह सुपौल जिले के चंद्रकांत झा की 61 वर्षीय बेटी हैं। उनके अनुसार, 7 दिसंबर 1984 को उन्होंने हिंदू रीति-रिवाजों के साथ उदित नारायण से शादी की थी। उन्होंने आरोप लगाया कि 1985 में उदित नारायण सिंगिंग करियर बनाने के लिए मुंबई चले गए। रंजना का कहना है कि बाद में उन्हें मीडिया रिपोर्ट्स के जरिए पता चला कि उदित ने दीपा नारायण से दूसरी शादी कर ली है। हालांकि जब भी उन्होंने इस बारे में उदित से सवाल किया तो उन्होंने या तो इनकार किया या उन्हें गुमराह किया।

छह राज्यों में लूट के लिए था वांटेड

400 किलो सोना लूटने वाला मास्टरमाइंड 'बबुआ' गिरफ्तार

राजसमंद, एजेंसी

देश भर में बड़ी गोल्ड लूट की वारदातों को अंजाम देने वाला मास्टरमाइंड आखिरकार राजस्थान पुलिस की गिरफ्तर में आ गया है। यह है सुबोध सिंह उर्फ बबुआ। सुबोध के खिलाफ लगभग 10 साल में छह राज्यों में 400 किलो से ज्यादा सोना लूटने के केस दर्ज हैं।

राजस्थान की राजसमंद की कांकरोली पुलिस ने उसे करीब दो साल पुराने चर्चित गोल्ड लूट केस में ओडिशा से प्रोडक्शन वारंट के तहत गिरफ्तार किया। पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार सुबोध ने अपने गैंग के साथ साल 2018 तक जयपुर, पुणे, नागपुर और बैरकपुर सहित कई शहरों में बड़ी वारदातें की हैं। सुबोध सिंह उर्फ बबुआ बिहार के नालंदा जिले के चिस्तीपुर गांव का रहने वाला है। 12वीं

पास इस मास्टरमाइंड ने साल 1996 से छोटे-मोटे अपराधी नेटवर्क के साथ वारदातें शुरू कीं और 1999 तक पुलिस के मुखबिर के रूप में भी काम किया। जेल में रहते हुए उसने अपने गैंग को लगातार मजबूत किया और जमानत पर छूटने के बाद बड़े ज्वेलर्स और बैंकों को टारगेट किया। हर वारदात के लिए सुबोध पूरी योजना बनाता और गैंग सदस्यों को जिम्मेदारी देता।

यूएन की रिपोर्ट में पाक फिर बेनकाब

लाल किला धमाके में निकला जैश का हाथ

नईदिल्ली, एजेंसी

लाल किले के पास 9 नवंबर को हुआ धमाका देश के लिए गहरे सदमे की तरह था। इस हमले में 15 लोगों की मौत हो गई, जबकि कई घायल हुए। ऐसे में संयुक्त राष्ट्र (यूएन) की आतंकवाद निगरानी टीम की रिपोर्ट ने इस हमले से पाकिस्तान स्थित आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद के जुड़े होने का दावा किया है। रिपोर्ट में संगठन की नई रणनीति पर चिंता जताई है, जिसमें महिलाओं के लिए अलग विंग बनाना और आतंकी गतिविधियों में उनकी भागीदारी शामिल है। इस रणनीति को लेकर विशेषज्ञों का कहना है कि इससे संगठन का नेटवर्क बढ़ सकता है और सुरक्षा एजेंसियों की नजर से बचने में मदद मिल सकती है। दूसरी ओर यूएन सुरक्षा परिषद को सौंपी गई रिपोर्ट में एनालिटिकल सपोर्ट एंड सैंक्शंस मॉनिटरिंग टीम ने बताया कि एक सदस्य देश ने जानकारी दी है कि जैश-ए-मोहम्मद ने लाल किले पर हुए हमले की जिम्मेदारी ली थी।

मेट्रो एंकर

दिल्ली में मरीज, गुजरात में डॉक्टर... एक दिन में हुए चार ऑपरेशन

1200 किमी दूर से सफल सर्जरी, गंगाराम अस्पताल ने रचा इतिहास

नईदिल्ली. एजेंसी

क्या आपने कभी सोचा था कि ऐसा वक्त भी आएगा कि कोई डॉक्टर 1200 किलोमीटर दूर बैठकर मरीज का आसानी से ऑपरेशन कर देगा और मरीज स्वस्थ रहेगा। टेलीसर्जरी से ऐसा संभव करके दिल्ली के सर गंगाराम हॉस्पिटल ने इतिहास रच दिया है। पहले नंबर पर चीन है, जिसने 8000 किलोमीटर दूर बैठकर टेली सर्जरी के जरिए मरीज का ऑपरेशन करके पहली बार मेडिकल की दुनिया में क्रांति ला दी थी।

अब दूसरे नंबर पर सर गंगाराम हॉस्पिटल आ गया है। अस्पताल ने 1200 किलोमीटर दूर यानी गुजरात के एक डॉक्टर की मदद लेकर टेलीसर्जरी के जरिए गंगाराम अस्पताल में ऑपरेशन करके मरीज की जान बचा ली। एक दिन में चार ऑपरेशन इसी तरह किए गए और

चारों सफल रहे। इस सर्जरी में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई यूरोलॉजिस्ट और रोबोटिक कोऑर्डिनेटर डॉक्टर अजय शर्मा, सीनियर कंसल्टेंट डॉक्टर विपिन त्यागी, सीनियर कंसल्टेंट डॉक्टर तरुण मित्तल, सीनियर कंसल्टेंट डॉ. अनमोल आहूजा, सीनियर कंसल्टेंट डॉ. आशीष डे और सीनियर कंसल्टेंट डॉक्टर मुकुंद खेतान ने। जाने-माने यूरोलॉजिस्ट और रोबोटिक कोऑर्डिनेटर डॉक्टर अजय शर्मा ने बताया कि 'दुनिया मेडिकल की फील्ड में तेजी से आगे बढ़ रही है। पूरी दुनिया भर में मेडिकल की सुविधाओं को कस्बों और गांव तक पहुंचाने का काम आसानी से किया जा रहा है। ऐसे में भारत पीछे क्यों रहे। इसीलिए हमने सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए गंगाराम अस्पताल में आए हुए एक मरीज की टेली सर्जरी की और इसमें हमने मदद ली गुजरात के वापी स्थित एक अस्पताल के डॉक्टर की। दोनों अस्पतालों ने मिलकर इस पूरी सर्जरी को सफलतापूर्वक अंजाम दिया। पहला ऑपरेशन किडनी की पैदाइशी बीमारी का था, जिसमें पेशाब नीचे जाने में रुकावट हो जाती है और किडनी में सूजन आ जाती है। दूसरा अपेंडिक्स का, तीसरा गॉलब्लैडर का था और चौथा हर्निया का। चारों ही मरीज स्वस्थ हैं और अपने-अपने घर जा चुके हैं।

भविष्य में रोबोट कर लेंगे सर्जरी

अस्पताल के विशेषज्ञों का कहना है कि रोबोटिक और टेली सर्जरी बहुत तेजी से आगे बढ़ रही है। ऐसे में डॉक्टर को सिर्फ मरीज की पूरी जानकारी रोबोट के अंदर फ़ीड करनी होगी। इसके बाद रोबोट खुद ही सर्जरी कर लेगा। अभी रोबोटिक सर्जरी हो या फिर टेली सर्जरी उसमें डॉक्टर को ही करना होता है, बस फर्क कितना है कि रोबोट और टेली सर्जरी की मदद ली जाती है, लेकिन आने वाले वक्त में रोबोट खुद ही कर लेंगे और ओपन सर्जरी को रोबोटिक सर्जरी रिप्लेस भी कर देगी। बता दें कि रोबोटिक सर्जरी और टेली सर्जरी इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि ओपन सर्जरी में मरीज को एक लंबा चीरा लगाकर ऑपरेशन किया जाता था, जिस वजह से मरीज को स्थिर होने में वक्त लगता था। इसमें छोटा चीरा लगता है और ऑपरेशन जल्दी हो जाता है।

राजधानी के वीआईपी लिंक रोड नंबर-1 का फुटपाथ बदहाल...

भोपाल। राजधानी की सबसे व्यस्त और महत्वपूर्ण सड़कों में शामिल लिंक रोड नंबर-1 पर पैदल चलने वालों के लिए बनाए गए फुटपाथों की हालत दिन-ब-दिन खराब होती जा रही है। जगह-जगह फुटपाथ टूटे हुए हैं, टाइल्स उखड़ी पड़ी हैं और कई स्थानों पर गड्ढे बन गए हैं, जिससे राहगीरों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि यह सड़क शहर की प्रमुख कनेक्टिविटी का हिस्सा है, जहां से रोजाना हजारों लोग गुजरते हैं। सुबह-शाम मॉर्निंग वॉक करने वाले नागरिक, स्कूल-कॉलेज के छात्र और बुजुर्ग बड़ी संख्या में इन फुटपाथों का उपयोग करते हैं, लेकिन बदहाल स्थिति के कारण उन्हें सड़क पर उतरकर चलना पड़ता है। इससे दुर्घटना का खतरा भी बढ़ गया है। कई स्थानों पर फुटपाथ पर अतिक्रमण और कचरे के ढेर ने समस्या को और गंभीर बना दिया है। बारिश के दौरान पानी भर जाने से स्थिति और खराब हो जाती है। टूटी हुई टाइल्स और खुले हिस्सों के कारण कई लोग गिरकर चोटिल भी हो चुके हैं, लेकिन जिम्मेदार विभाग इस ओर ध्यान नहीं दे रहा। स्थानीय नागरिकों ने नगर निगम और संबंधित विभाग से मांग की है कि लिंक रोड नंबर-1 के फुटपाथों का जल्द सर्वे कर मरम्मत कार्य कराया जाए, ताकि पैदल चलने वालों को सुरक्षित और सुगम रास्ता मिल सके। राजधानी की प्रमुख सड़क पर इस तरह की लापरवाही प्रशासन की कार्यशैली पर सवाल खड़े कर रही है। अब देखना यह है कि जिम्मेदार अधिकारी कब तक इस गंभीर समस्या पर संज्ञान लेते हैं और कब तक राहगीरों को सुरक्षित फुटपाथ उपलब्ध कराए जाते हैं।

एनजीटी ने मांगी कार्रवाई की रिपोर्ट, कहा- वेटलैंड से छेड़छाड़ बर्दाश्त नहीं

जिला प्रशासन और नगर निगम को दो सप्ताह में हटाना होगा बड़े तालाब से अतिक्रमण

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) की सेंट्रल जोन बेंच ने बड़े तालाब के भोज वेटलैंड के संरक्षण को लेकर कड़ा रुख अपनाया है। बुधवार को हुई सुनवाई में एनजीटी ने जिला प्रशासन और नगर निगम को स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि तालाब के फुल टैंक लेवल (एफटीएल) और जलग्रहण क्षेत्र में चिह्नित अवैध अतिक्रमणों को दो सप्ताह के भीतर हटाकर रिपोर्ट दें।

पर्यावरण कार्यकर्ता राशिद नूर खान ने याचिका में भोज वेटलैंड के चारों ओर हो रही अवैध गतिविधियों पर चिंता जताई गई है। इसमें उन्होंने बताया कि तालाब के संरक्षित क्षेत्र में पक्के निर्माण, रिसार्ट और व्यावसायिक गतिविधियां धड़ल्ले से चल रही हैं। वेटलैंड के भीतर कंक्रीट प्लांट, फ्लाई ऐश ब्लाक बनाने की इकाइयां स्थापित कर दी गई हैं, जो वेटलैंड नियम 2010 और 2017 का सीधा उल्लंघन हैं। तालाब के प्राकृतिक जल प्रवाह को रोकने के लिए अवैध रूप से मिट्टी का भराव किया जा रहा है और

कचरा डंप किया जा रहा है। इस पर एनजीटी ने कहा कि वेटलैंड की प्राकृतिक स्थलाकृति से छेड़छाड़ बर्दाश्त नहीं की जाएगी। एनजीटी ने भोपाल कलेक्टर और नगर निगम से सात अक्टूबर 2025 को हुई पिछली सुनवाई में बताए गए विशिष्ट अतिक्रमणों को हटाकर दो सप्ताह के भीतर कार्रवाई की रिपोर्ट पेश करने को कहा है। मामले की अगली सुनवाई अब 28 अप्रैल 2026 को होगी। तब तक प्रशासन को अतिक्रमण मुक्त क्षेत्र की वास्तविक स्थिति रिपोर्ट कोर्ट के सामने रखनी होगी।

अतिक्रमण बताई गई मस्जिदों पर वक्फ का दावा

एनजीटी में आर्या श्रीवास्तव की याचिका पर सुनवाई के दौरान सामने आया कि प्रशासन ने भोज वेटलैंड पर प्रशासन ने 35 अतिक्रमण चिह्नित किए थे। नगर निगम की ओर से पेश अधिवक्ता गुंजन चौकसे ने बताया कि निगम ने इनमें से नौ अतिक्रमणों को हटा दिया है। शेष पर कार्रवाई के लिए जब दस्ता मौके पर पहुंचा, तो स्थानीय लोगों के भारी विरोध के कारण कार्रवाई रोकनी पड़ी। वहीं, वक्फ बोर्ड की ओर पेश अधिवक्ता मोहम्मद इकराम ने अतिक्रमण बताई गई दो मस्जिदों पर दावा किया। उनका कहना था कि मस्जिदें नवाब काल की हैं। 1962 में इनको वक्फ के तौर पर अधिसूचित किया जा चुका है। एनजीटी ने कहा कि एनजीटी केवल पर्यावरण कानूनों के तहत सुनवाई करता है। जमीन किसकी है और किसका मालिकाना हक है, यह तय करना सिविल कोर्ट या राजस्व विभाग का काम है।

यहां बताए अतिक्रमण

बैरागढ़ कलां में सेवन ओक्स होटल और व्यापारिक गतिविधियों को तालाब के एफटीएल के पास अवैध स्थाई निर्माण माना गया है। लखापुर क्षेत्र में कमल लाल द्वारा भोज वेटलैंड के बफर क्षेत्र में अवैध कॉलोनी विकसित की गई है। एके एसोसिएट्स, खजूरी सड़क द्वारा पानी के बहाव को रेत और मिट्टी डालकर रोकने और एफटीएल के भीतर निर्माण किया गया। भारत भवन के पास 50 मीटर बफर क्षेत्र में प्राकृतिक चट्टानों और पहाड़ियों को अवैध रूप से तोड़ा गया है। इंदौर-सीहोर रोड, बैरागढ़, लखापुर में पाटीदार फार्म, बैरागढ़ कलां, भैंसा खेड़ी, भौरी, जमोनियाचीर और कोलू खेड़ी में भगवान सिंह, हरविंदर सिंह भाटिया, विष्णु खत्री, हर्ष ललवानी और कृष्णा कुमारी सिंघल जैसे नामों के निर्माणों को चिह्नित किया गया है।

महंगाई भत्ता कर्मचारियों का कानूनी अधिकार- सुप्रीम कोर्ट

प्रदेश के पेंशनर्स ने मांगी 81 माह की बकाया महंगाई राहत

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

मध्यप्रदेश पेंशनर्स वेलफेयर एसोसिएशन के संरक्षक गणेश दत्त जोशी एवं प्रदेश अध्यक्ष आमोद सक्सेना ने पश्चिम बंगाल के कर्मचरियों के मामले में सुप्रीम कोर्ट द्वारा दिए गए निर्णय को कर्मचारियों एवं पेंशनरों की बहुत बड़ी जीत बताया है। साथ ही उन्होंने मध्य प्रदेश सरकार से पेंशनरों के लगभग 81 माह के बकाया महंगाई राहत के शीघ्र भुगतान की मांग की है।

सक्सेना ने स्पष्ट किया है कि सर्वोच्च न्यायालय का निर्णय पूरे देश के कर्मचारियों एवं पेंशनरों पर समान रूप से लागू होता है। सरकार को चाहिए कि मध्यप्रदेश राज्य पुनर्गठन अधिनियम 2000 की धारा 49 की आड़ में विगत 25 वर्षों से मध्यप्रदेश एवं छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा पेंशनरों का किया जा रहा आर्थिक शोषण बंद कर पूर्व के सभी बकाया का शीघ्र भुगतान सुनिश्चित करें। एसोसिएशन ने मुख्य सचिव मप्र और छत्तीसगढ़ में मुख्य सचिव एवं वित्त सचिव को लिखे पत्र में बकाया महंगाई राहत के भुगतान करने की मांग की है। उल्लेखनीय है कि विगत 5 फरवरी पश्चिम बंगाल द्वारा दायर एसएलपी में सर्वोच्च न्यायालय ने कर्मचारी संघ के पक्ष में महत्वपूर्ण निर्णय पारित किया है। कोर्ट ने कहा है कि महंगाई भत्ता कर्मचारियों का कानूनी अधिकार है यह कोई अतिरिक्त फायदा (बोनस) नहीं है। जस्टिस संजय करोल और जस्टिस प्रशांत कुमार मिश्रा की बेंच ने पश्चिम बंगाल सरकार को आदेश दिया है कि वह अपने कर्मचारियों एवं पेंशनरों को साल 2008 से 2019 तक का बकाया महंगाई भत्ता चुकाए। कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया है कि राज्य के कर्मचारी अपने पूरे बकाया महंगाई भत्ता पाने के हकदार हैं।

भुगतान से जुड़े वित्तीय बोझ और जटिलताओं को देखते हुए शीर्ष अदालत ने एक समिति का गठन किया है, जिसमें सुप्रीम कोर्ट के पूर्व न्यायाधीश जस्टिस इंदु मल्होत्रा, हाई कोर्ट के पूर्व मुख्य न्यायाधीश जस्टिस तरलोक सिंह चौहान, हाई कोर्ट के पूर्व न्यायाधीश जस्टिस गौतम भादुड़ी एवं भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक द्वारा नामित वरिष्ठ अधिकारी को शामिल किया गया है।

एकीकृत टाउनशिप बनेंगी ग्रीन बेल्ट पाबंदियों पर छूट

विभाग ने क्रियान्वित करने नियम किए लागू

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

मध्य प्रदेश में अब एकीकृत टाउनशिप बनेंगी। किसान, किसानों के समूह या निजी व्यक्ति भी शहरों के आसपास लैंड पुलिंग के जरिये भूमि लेकर टाउनशिप बना सकेंगे। परियोजना के 15 प्रतिशत भू-भाग पर उन्हें आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (ईडब्ल्यूएस) और एलआइजी श्रेणी के आवास बनाने होंगे। किफायती आवास बनाने पर अलग से अनुदान मिलेगा। विकासकर्ता को नगर तथा ग्राम निवेश में पंजीयन कराना होगा। ग्रीन बेल्ट जैसी पांबदियों से छूट मिलेगी। परियोजना के बीच सरकारी भूमि आने पर आठ हेक्टेयर तक छूट दी जा सकेगी।

नियम अधिसूचित कर लागू कर दिए हैं

नगरीय विकास एवं आवास विभाग ने बुधवार को नियम अधिसूचित कर लागू कर दिए हैं। प्रदेश में शहरीकरण को लेकर बढ़ते दबाव और बेतरतीब विकास को व्यवस्थित करने के लिए सरकार अब एकीकृत टाउनशिप को बढ़ावा देगी। इसके लिए नियम लागू कर दिए हैं, जो विकास प्राधिकरण सहित अन्य हाउसिंग एजेंसियों पर भी लागू होंगे।

किसानों का समूह टाउनशिप विकसित कर सकेगा

अभी तक टाउनशिप का विकास कालोनाइजरों तक सीमित था, लेकिन अब कोई भी व्यक्ति या किसानों का समूह टाउनशिप विकसित कर सकेगा। इन पर कालोनाइजर एक्ट के प्रविधान लागू होंगे। नागरिकों को पेयजल, बिजली, सड़क, नाली सहित सभी सुविधाएं देनी होंगी।

निजी भूमि का आपसी सहमति से होगा अधिग्रहण

टाउनशिप विकसित करने के लिए यदि भूमि कम पड़ती है और वहां सरकारी भूमि उपलब्ध है तो वह आठ हेक्टेयर की सीमा में उपलब्ध कराई जा सकेगी। बीच में यदि निजी भूमि आती है तो विकासकर्ता सरकार से अनुरोध कर आपसी सहमति के आधार पर अधिग्रहण करा सकेंगे।

टाउनशिप का विकास अधिकतम तीन चरण में

निर्धारित शुल्क चुकाकर उन्हें पंजीयन भी कराना होगा। टाउनशिप का विकास अधिकतम तीन चरण में करना होगा। प्रत्येक चरण के लिए तीन वर्ष रखे जाएंगे। दूसरे चरण का काम तभी प्रारंभ किया जा सकेगा, जब पहले चरण का काम कम से कम 50 प्रतिशत पूरा हो जाए।

समकालीन लघुकथा अपने समय का संवेदनशील दस्तावेज -सुनीता प्रकाश

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

समकालीन लघुकथा वर्तमान समय का संवेदनशील दस्तावेज है। लघुकथा में लेखक अपने लेखन कौशल से साधारण बात को असाधरण ढंग से प्रस्तुत करता है। यह उदगार हैं वरिष्ठ लघुकथाकार और समीक्षक सुनीता प्रकाश ने व्यक्त किये। वे लघुकथा शोध केंद्र समिति भोपाल द्वारा आयोजित लघुकथा पाठ एवं विमर्श के साप्ताहिक 'ऑन-लाइन' आयोजन में बोल रही थीं। इस अवसर पर संभाजीनगर महाराष्ट्र की लघुकथाकार मनवीन कौर पाहवा की लघुकथाओं पर चर्चा की गई।प्रारम्भ में केंद्र की ओर से ज्योति करंजगाँवकर ने स्वागत उदबोधन दिया। इसके बाद अश्विनी देशपांडेय संचालन में गोष्ठी आरम्भ हुई। मनवीन कौर ने 'घर वापिसी' सायबर अपराध से सावधान करने वाली 'खिलौना' गरीब बच्चे का राष्ट्रप्रेम प्रदर्शित करती, 'मैं बाँझ नहीं हूँ' स्त्री समाज पर यह कलंक की पीढ़ा दर्शाती, 'युग बदल रहा है' समाज में होने वाले परिवर्तनों को रेखांकित करती, तथा 'चैन की नींद' स्त्री पुरुष में लेंगिक भेदभाव के चलते स्त्री की चेतना को जागृत कर विरोधी स्वर को प्रस्तुत करती कुल पांच लघुकथाओं का वाचन किया। इन लघुकथाओं पर वरिष्ठ साहित्यकार और समीक्षक अनिता रश्मि, डॉ. मिथिलेश अवस्थी, कांता रॉय और घनश्याम मैथिल अमृत ने भी टिप्पणियाँ कीं। इस आयोजन में देश- प्रदेश के अनेक लघुकथा लेखक एवं पाठक ऑनलाइन जुड़े।

अवैध हिरासत और फरारी केस में विभागीय जांच के आदेश

शाहपुरा थाना कांड मामले में पुलिस कमिश्नर ने टीआई को किया सस्पेंड

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

शाहपुरा थाने की पांच दिन की अवैध हिरासत और संदेही के थाने से फरार होने के मामले में आखिरकार कार्रवाई की गाज गिर गई है। पुलिस कमिश्नर संजय कुमार ने प्राथमिक जांच में गंभीर अनियमितताएं पाए जाने पर थाना प्रभारी लोकेंद्र सिंह ठाकुर को सस्पेंड कर दिया है। मामले में थाने के मुंशी और स्क्वाड के पुलिसकर्मियों की भूमिका भी संदेह के घेरे में है, जिनकी अलग से विभागीय जांच शुरू कर दी गई है।

बता दें 19 वर्षीय युवक को चोरी के ऐसे मामले में हिरासत में रखा गया था, जिसमें पिछले माह ही पुलिस खात्मा रिपोर्ट लगा चुकी थी। इसके बावजूद युवक को पांच दिन

तक थाने के उस कमरे में रखा गया, जहां सीसीटीवी कैमरे तक नहीं लगे थे। न गिरफ्तारी दर्ज की गई, न ही परिवार को सूचना दी गई। पांच दिन तक अवैध हिरासत के बाद 19 जनवरी को युवक थाने में छत के रास्ते से फरार हो गया था। हैरानी की बात यह रही कि जिस युवक को पांच दिन तक गुपचुप रखा गया, उसकी थाने में एंट्री तब की गई जब वह भाग चुका था।

रिकॉर्ड में हेरफेर और लीपापोती की कोशिश: फरारी के सात घंटे बाद रोजनामचे में दर्ज किया गया कि उसे हिरासत में लिया गया था, और तुरंत अभिरक्षा से भागने का केस दर्ज कर दिया गया। मामले की प्रारंभिक जांच एसीपी हबीबगंज उमेश तिवारी को दी गई थी, लेकिन दो सप्ताह तक सतही पड़ताल के चलते कई बिंदु अनछुए रह गए। जब मामला पुलिस कमिश्नर तक पहुंचा तो उन्होंने खुद संज्ञान लेते हुए जांच कराई। जांच में रिकार्ड में हेरफेर, हिरासत संबंधी नियमों का उल्लंघन और जिम्मेदारी तय करने में पक्षपात के संकेत मिले, जिसके बाद बुधवार को थाना प्रभारी लोकेंद्र सिंह को सस्पेंड कर दिया गया।

मेट्रो एंकर

सरकारी अस्पतालों में बदलेगी दवाओं की सूची

पुरानी दवाएं हटेंगी, नए विकल्पों को मिलेगा स्थान

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग जिला अस्पतालों से लेकर उपस्वास्थ्य केंद्रों में रोगियों को दी जाने वाली अत्यावश्यक दवाओं की सूची (ईडीएल) संशोधित करने जा रहा है। इससे उन दवाओं का नाम हटाया जाएगा, जो अनुपयोगी हो चुकी हैं या जिनका बेहतर विकल्प आ गया है। वर्ष 2022 में बनी ईडीएल में जिला अस्पतालों के लिए अभी 530 दवाएं शामिल हैं। इनमें ओपीडी से लेकर वार्ड और आपरेशन थियेटर में लगने वाली दवाएं हैं। सरकारी अस्पतालों में रोगियों को यह दवाएं निश्शुल्क उपलब्ध कराई जाती हैं।

ईडीएल का सफर 2014 से अब तक दवाओं की संख्या में इजाफा: इबता दें कि वर्ष 2014 में निश्शुल्क दवा योजना के अंतर्गत पहली बार अत्यावश्यक दवाओं की सूची तैयार

की गई थी। वर्ष 2021 तक जिला अस्पतालों की ईडीएल में 295 दवाएं थीं, जिन्हें 2022 में बढ़ाकर 530 किया गया था। ईडीएल संशोधित होने से रोगियों को सुविधा हो जाएगी। इस सूची में सम्मिलित लगभग सभी दवाएं अस्पतालों में उपलब्ध रहती हैं। मध्य प्रदेश पब्लिक हेल्थ सप्लाई कारपोरेशन के एमडी मयंक अग्रवाल ने बताया कि शीघ्र ही नई ईडीएल तैयार हो जाएगी।

एंटीबायोटिक के असर और नए डोज पर फोकस

जिला से नीचे के अस्पतालों के लिए भी ईडीएल बनी हुई है। इसमें भी संशोधन होगा। विभाग के अधिकारियों ने बताया कि कुछ एंटीबायोटिक अब असर नहीं कर रही हैं। इसी तरह से कुछ दवाओं के डोज अनुपयोगी हो गए हैं। इनकी जगह नई दवाएं जोड़ी जाएंगी, जो ज्यादा असरकारी हैं। उन नई दवाओं को ईडीएल में सम्मिलित किया जाएगा, जिनके डाक्टरों की राय में परिणाम अच्छे हैं। डॉक्टरों की समिति ईडीएल का परीक्षण कर नई दवाएं जोड़ने का सुझाव देगी।

उज्जैन बनेगा मेट्रोपोलिटन सिटी का हिस्सा

सिंहस्थ के लिए हर घर पहुंचेगा पानी, 1133.67 करोड़ की जल परियोजना का हुआ भूमिपूजन

उज्जैन, दोपहर मेट्रो

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने उज्जैन के कालिदास अकादमी में आयोजित कार्यक्रम में सहभागिता कर 1133.67 करोड़ की लागत से विकसित होने वाली हरियाखेड़ी जल आवर्धन परियोजना का भूमिपूजन एवं 47.23 करोड़ के विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण व शिलान्यास किया।इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सिंगल क्लिक के माध्यम से प्रोजेक्ट संवर्धन (मातृ एवं शिशु पोषण) का शुभारंभ भी किया। कार्यक्रम से पहले मुख्यमंत्री जी ने जल आवर्धन परियोजना एवं क्षेत्र में जल आपूर्ति पर आधारित प्रदर्शनी का अवलोकन किया। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश आगे बढ़ रहा है। उन्हीं के मार्गदर्शन में बने महाकाल लोक में उज्जैन को वैश्विक आध्यात्मिक पर्यटन का केन्द्र बनाया है। मोक्षदायिनी शिप्रा मैया की कृपा से उज्जैन अब सिंहस्थ 2028 के लिए तैयार हो रहा है। भगवान महाकाल के आशीर्वाद से सिंहस्थ की तैयारियों के लिए 1133.67 करोड़ रूपए की लागत से निर्मित किए जा रहे हरियाखेड़ी जल आवर्धन परियोजना का भूमिपूजन हो रहा है। इस परियोजना से सिंहस्थ 2028 के दौरान श्रद्धालुओं और नागरिकों को शुद्ध पेयजल उपलब्ध होगा। साथ ही शहर के हर घर में लंबे समय तक जल आपूर्ति सुनिश्चित होगी। सिंहस्थ के लिए उज्जैन के प्रबंधन से पूरे प्रदेश का गौरव बढ़ेगा।

हमारी सरकार गरीब वर्ग कल्याण में लगी हुई है

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय की पुण्यतिथि पर उनको नमन करते हुए कहा कि उनके दिखाए अंत्योदय के मार्ग पर चलते हुए ही हमारी सरकार गरीब से गरीब के कल्याण में लगी हुई है। मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य को सशक्त बनाने के उद्देश्य से ही उज्जैन जिले में प्रोजेक्ट संवर्धन आरंभ किया जा रहा है। इसी क्रम में मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मेधावी विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करने के लिए उनके सम्मान और सफाई कर्मचारियों को किट वितरण जैसी गतिविधियां प्रतीक स्वरूप आयोजित की गई हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि उज्जैन में आयुर्वेद का धनवंतरी इंस्टीट्यूट खोला जाएगा। प्रधानमंत्री श्री मोदी के माध्यम से आयुर्वेद की पढ़ाई और चिकित्सा के लिए एक बड़ी सौगात बहुत जल्द मिलने वाली है। उन्होंने ने कहा कि सिंहस्थः 2028 में पूरी दुनिया के श्रद्धालु उज्जैन आएंगे। राज्य सरकार इसके लिए सभी तैयारियों को समय रहते हुए पूरा कर रही है। उज्जैन बाबा महाकाल और सम्राट विक्रमादित्य की नगरी है। प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में सभी बुनियादी सुविधाओं के लिए विकास कार्य हो रहे हैं। क्षिप्रा के घाटों पर सिंहस्थ में आए 5 करोड़ श्रद्धालु स्नान कर सकेंगे। रामघाट के पास एक छोटा और एक बड़ा पुल बनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि अगले महीने मार्च में उज्जैन में भव्य गीता भवन का लोकार्पण होगा।

राज्य सरकार भगवान श्रीकृष्ण से जुड़े सभी स्थलों को तीर्थ के रूप में विकसित कर रही| मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार भगवान श्रीकृष्ण से जुड़े सभी स्थलों को तीर्थ के रूप में विकसित कर रही है। सरकार ने उज्जैन, ओरछा सहित प्रदेश के अन्य धार्मिक स्थानों पर शराबबंदी कर एक आदर्श उदाहरण प्रस्तुत किया गया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश के युवाओं और बहनों को रोजगार दिलवाने के लिए रोजगार आधारित उद्योगों को प्रोत्साहन दिया जा रहा है। उज्जैन के पास रेडीमेड गारमेंट की यूनिट शुरू होने पर बहनों को काम करने का अवसर मिलेगा। उन्होंने कहा कि आकाशवाणी उज्जैन ने बाबा महाकाल के कार्यक्रमों का प्रसारण किया। यह प्रसन्नता का विषय है कि आकाशवाणी के माध्यम से उज्जैन के युवा अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर रहे हैं।

कफ सिरप पीड़ितों को मुआवजे का मामला अटका

संसद में कहा- कोर्ट चाहे तो दोषी कंपनी पर जुर्माने से दिला सकता है मुआवजा

भोपाल, दोपहर मेट्रो

छिंदवाड़ा में जहरीले कफ सिरप से 26 बच्चों की मौत के मामले में मुआवजे को लेकर एक नया तकनीकी विवाद खड़ा हो गया है। राज्यसभा में दिए गए एक लिखित जवाब में केंद्र सरकार ने यह कहकर पल्ला झाड़ लिया है कि कानून के तहत मुआवजा अदालत तय करेगी और वह दोषी कंपनी पर लगने वाले जुर्माने से दिलाया जाएगा।

राज्यसभा सदस्य रणदीप सिंह सुरजेवाला के सवाल के जवाब में स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि औषधि एवं सौंदर्य प्रसाधन अधिनियम 1940 की धारा 32 ख के तहत यदि मिलावटी दवाओं से मौत होती है, तो न्यायालय दोषी पर जुर्माना लगाएगा और उस राशि से पीड़ितों को मुआवजा देने का आदेश देगा। यानी केंद्र ने अपने स्तर पर किसी भी विशेष मुआवजा कोष की बात नहीं की।

एमपी सरकार की मदद का संसद में जिक्र नहीं- अक्टूबर 2025 में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रत्येक पीड़ित परिवार को ?4 लाख की सहायता राशि देने का ऐलान किया था। छिंदवाड़ा जिला प्रशासन के मुताबिक यह राशि कई परिवारों के खातों में भेज भी दी गई थी। संसद में सरकार ने राज्य सरकार द्वारा दिए गए इस 4 लाख की आर्थिक मदद का कोई जिक्र नहीं किया।

लंबी अदालती प्रक्रिया के बाद मिलेगा कंपनी से मुआवजा

राज्य सरकार ने जो ?4 लाख दिए, वह तात्कालिक आर्थिक सहायता थी। जबकि संसद में जिस मुआवजे की बात हो रही है, वह कानूनी मुआवजा है, जो लंबी अदालती प्रक्रिया के बाद दोषी कंपनी की जेब से निकलेगा।

कोर्ट के फैसले का इंतजार करेंगे पीड़ित

कानूनी प्रावधानः अधिनियम की धारा 32ख के तहत, यदि मिलावटी या नकली दवाओं के सेवन से किसी व्यक्ति की मृत्यु होती है या उसे गंभीर चोट पहुंचती है, तो न्यायालय दोषी पाए गए व्यक्ति/कंपनी पर जुर्माना लगाएगा। जुर्माने से मुआवजा-न्यायालय उसी जुर्माने की राशि से पीड़ित या उसके कानूनी उत्तराधिकारी को मुआवजा देने का आदेश दे सकता है। यानी जब तक अदालत में ट्रायल पूरा नहीं होता और कंपनी दोषी करार देकर उस पर भारी जुर्माना नहीं लगाया जाता, तब तक पीड़ितों को आधिकारिक मुआवजा मिलना मुश्किल है।

निजी कंपनियों के पांच फीसदी से कवर हुआ आधा प्रदेश

आधे प्रदेश के गांवों में नेटवर्क नहीं फिसड्डी साबित हो रहा बीएसएनएल

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्य प्रदेश में सरकारी और निजी टेलीकॉम सेवाओं के बीच की खाई गहरी होती जा रही है। संसद में पेश सरकारी आंकड़ों के विश्लेषण से पता चलता है कि जहां एक ओर प्रदेश के आधे से ज्यादा गांव अत्याधुनिक 5जी नेटवर्क से जुड़ चुके हैं, वहीं दूसरी ओर सरकारी कंपनी बीएसएनएल अभी भी आधे से ज्यादा प्रदेश में अपनी पहुंच बनाने के लिए संघर्ष कर रही है।

संसद में दी गई जानकारी के अनुसार, मध्य प्रदेश में बीएसएनएल के नेटवर्क विस्तार की स्थिति अन्य राज्यों की तुलना में काफी पीछे है। मध्य प्रदेश में कुल 54,903 गांव हैं इनमें से केवल 24,394 गांवों को ही बीएसएनएल की सेलुलर सेवाओं से कवर किया जा सका है। नेटवर्क विहीन प्रदेश के लगभग 55.5त्न करीब 30,509 गांव में आज भी बीएसएनएल का सिग्नल नहीं पहुंचता है। उत्तर प्रदेश पूर्व जैसे सर्कल में बीएसएनएल ने 92 फीसदी गांवों को कवर कर लिया है, जबकि एमपी में यह आंकड़ा आधे से भी कम है। संचार राज्य मंत्री डॉ. पेम्मासानी चंद्र शेखर ने बताया कि बीएसएनएल वर्तमान में पूरे देश में 1 लाख स्वदेशी 4 जी टावर लगा रहा है । 15 जनवरी, 2026 तक 97,672 साइटें स्थापित की जा चुकी हैं, जिनमें से 95,511 साइटें ऑन-एयर हो चुकी हैं । खास बात यह है कि ये सभी उपकरण भविष्य में 5जी में अपग्रेड किए जा सकेंगे । बड़ा 5 जी बाजार बन गया है। मध्य प्रदेश के 27,961 गांवों में 5जी नेटवर्क पहुंच चुका है. यानी प्रदेश के 51जी से अधिक गांव अब सुपर-फास्ट इंटरनेट जोन में हैं।

गांवों तक 5जी पहुंचाने में एमपी देश में 6वें नंबर पर

टावरों का जाल- प्रदेश भर में अब तक 22,182 5जी बीटीएस टावर लगाए जा चुके हैं। गांवों तक 5जी पहुंचाने के मामले में मध्य प्रदेश देश के टॉप राज्यों की सूची में छठे स्थान पर है।

बीटीएस टावर- क्या है यह तकनीक?: खबरों में बार-बार आने वाला शब्द बीटीएस वह मुख्य मशीन है जो मोबाइल और नेटवर्क के बीच सिग्नल का आदान-प्रदान करती है। 5त्न के लिए लगाए जा रहे ये नए बीटीएस पुराने टावरों की तुलना में कई गुना ज्यादा डेटा स्पीड और कम विलंबता प्रदान करते हैं, जिससे वीडियो कॉलिंग और गेमिंग जैसे काम बिना रुके होते हैं।

5जी की रफ्तार: आधा मध्य प्रदेश हाई-स्पीड इंटरनेट से लैस: बीएसएनएल की सुस्ती के विपरीत, देश में 5त्न के विस्तार ने प्रदेश में तेज रफ्तार पकड़ी है। भारत अब दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा 5 जी बाजार बन गया है। मध्य प्रदेश के 27,961 गांवों में 5जी नेटवर्क पहुंच चुका है. यानी प्रदेश के 51 फीसदी से अधिक गांव अब सुपर-फास्ट इंटरनेट जोन में हैं।

बीटीएस टावर: क्या है यह तकनीक: खबरों में बार-बार आने वाला शब्द बीटीएस वह मुख्य मशीन है जो मोबाइल और नेटवर्क के बीच सिग्नल का आदान-प्रदान करती है। 5त्न के लिए लगाए जा रहे ये नए बीटीएस पुराने टावरों की तुलना में कई गुना ज्यादा डेटा स्पीड और कम विलंबता प्रदान करते हैं, जिससे वीडियो कॉलिंग और गेमिंग जैसे काम बिना रुके होते हैं।

मप्र-छग सर्किल में किस कंपनी के पास कितने यूजर्स: मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ सर्किल में कुल मोबाइल उपभोक्ताओं की संख्या लगभग 7.98 करोड़ के पार पहुंच गई है। मार्केट शेयर के हिसाब से रिलायंस जियो का दबदबा बरकरार है।

55 कलेक्टर, 16 निगमायुक्त, 12 संभागायुक्त कल भोपाल में-

जनगणना की तैयारियों के लिए लेंगे ट्रेनिंग

भोपाल, दोपहर मेट्रो

प्रदेश के सभी 55 जिलों के कलेक्टर, सभी 12 संभागों के आयुक्तों और 16 नगर निगमों के कमिश्नर शुक्रवार को भोपाल में रहेंगे। एक मई से शुरू होने वाली मकानों की गणना के अंतर्गत इन अधिकारियों को जनगणना के प्रशिक्षण के लिए भोपाल बुलाया गया है। रजिस्ट्रार जनरल ऑफ इंडिया की मौजूदगी में होने वाले प्रशिक्षण कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव भी मौजूद रहेंगे। गृह विभाग के सचिव और राज्य नोडल अधिकारी जनगणना अभिषेक सिंह ने इसको लेकर सभी कलेक्टरों, संभागीय आयुक्तों, नगर निगम आयुक्तों को पत्र लिखा है। इसमें कहा गया है कि जनगणना 2027 के पहले चरण के लिए 13 फरवरी को प्रशिक्षण दिया जाना है। इसका पहला चरण मकान गणना के रूप में इसी साल एक मई से शुरू होने वाला है। इसके लिए राज्य स्तरीय प्रशिक्षण कांफ्रेंस का आयोजन किया जा रहा है।

प्रशिक्षण में दी जाएगी ये जानकारी- जनगणना 2027 के लिए तय नीति के अंतर्गत कितने दिन में जनगणना होना है, क्या प्रोसेस होगी, क्या सवाल होंगे और डिजिटल टूल्स कैसे इस्तेमाल करने हैं।

- जनगणना अधिकारियों की नियुक्ति को लेकर क्या प्रक्रिया होगी, ट्रेनिंग, फंड वितरण, उपयोगिता प्रमाण पत्र, अलग-अलग इकाइयों की जनगणना में उपयोगिता बताई जाएगी।
- फील्ड एक्टिविटीज के दौरान किस तरह के चैलेंज सामने आएंगे और कैसे काम करना है?
- मोबाइल एप्स, सीएमएमएस, एचएलबीसी जैसे डिजिटल टूल्स की वर्किंग, मॉनिटरिंग की जानकारी दी जाएगी।

सितम्बर 2025 से रिक्त है जनगणना निदेशक का पद

मध्यप्रदेश में जनगणना निदेशक का पद 30 सितम्बर 2025 के बाद से रिक्त है। तीस सितम्बर को यहां जनगणना निदेशक के रूप में काम कर रहीं भावना वालिम्बे रिटायर हो गई हैं। इसके बाद केंद्र और राज्य सरकार इस पद पर किसी अधिकारी की तैनाती नहीं कर सके हैं। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने इस साल होने वाली जनगणना को लेकर मकानों की गणना के लिए तारीख के बाद अब प्रश्नावली और प्रशिक्षण कार्यक्रम का भी ऐलान कर दिया है। अभी एमपी के

भोपाल में एथलेटिक्स प्रतियोगिता आज से

भोपाल। केन्द्रीय क्रीडा एवं कला परिषद, एम.पी. पॉवर मैनेजमेंट कंपनी लिमिटेड जबलपुर के तत्वावधान में 47वीं अंतरक्षेत्रीय खेल प्रतियोगिताओं के तहत वर्ष 2025-26 में विभिन्न अंतरक्षेत्रीय खेल एवं सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में एथलेटिक्स प्रतियोगिता का आयोजन राजधानी भोपाल में किया जा रहा है। दो दिवसीय अंतरक्षेत्रीय एथलेटिक्स प्रतियोगिता 12 एवं 13 फरवरी को केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) बीएचईएल भोपाल में आयोजित होगी। इसके लिए महाप्रबंधक (संचारण/संधारण) भोपाल को प्रभारी अधिकरी नियुक्त किया गया है।

ग्वालियर शहर में 1.87 लाख स्मार्ट मीटर लगाने का लक्ष्य है,

अब तक सिर्फ 23 हजार ही लगा सकी कंपनी, उत्तर में शुरू नहीं हो पाई प्रक्रिया

ग्वालियर, दोपहर मेट्रो

ग्वालियर शहर के तीन नगर संभाग दक्षिण, पूर्व और सेंट्रल में कुल एक लाख 87 हजार स्मार्ट मीटर लगाए जाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। लेकिन अब तक महज 23 हजार स्मार्ट मीटर ही लगाए जा सके हैं। नगर संभाग उत्तर में स्मार्ट मीटर लगाए जाने की प्रक्रिया अब तक शुरू नहीं हो पाई है।

तीन नगर संभाग में धीमी प्रगति को देखते हुए मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने स्मार्ट मीटर लगाने की रफ्तार बढ़ाने के लिए स्मार्ट मीटर पखवाड़ा शुरू किया है। यह पखवाड़ा नौ फरवरी से शुरू हुआ है जो 23 फरवरी तक चलेगा। आंकड़ों पर नजर डालें तो नगर संभाग दक्षिण में जहां 27 हजार स्मार्ट मीटर लगाए जाने हैं, वहां अब तक 15 हजार मीटर ही लगे हैं। वहीं नगर संभाग पूर्व में एक लाख स्मार्ट मीटर के लक्ष्य के मुकाबले सिर्फ तीन हजार मीटर ही लगाए जा सके हैं। इसी तरह नगर संभाग सेंट्रल में 60 हजार के लक्ष्य के विरुद्ध अब तक पांच हजार स्मार्ट मीटर ही स्थापित हुए हैं। इससे साफ है कि स्मार्ट मीटर योजना अभी लक्ष्य से काफी पीछे चल रही है।

उपभोक्ता जागरूकता पर जोर, घर-घर चल रहा अभियान

स्मार्ट मीटर पखवाड़ा के दौरान कंपनी द्वारा उपभोक्ता जागरूकता को लेकर विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इस दौरान उपभोक्ताओं को स्मार्ट मीटर के लाभों की जानकारी देने के साथ-साथ उनकी शंकाओं और जिज्ञासाओं का समाधान भी किया जा रहा है। गांवों और शहर के मोहल्लों में घर-घर जाकर स्मार्ट मीटर के फायदे बताए जा रहे हैं।

सिंहस्थ की भीड़ नियंत्रित होगी एआई तकनीक से

कंपनी ने मप्र सरकार को भेजा प्रस्ताव 1200 करोड़ रुपए का होगा निवेश

इंदौर। प्रदेश में हुई इन्वेस्टर्स समिट के परिणाम अब सामने आने लगे हैं। तीन कोरियाई कंपनियों के साथ इसीडीएस कंपनी ने प्रदेश में 1265 करोड़ के निवेश की योजना सरकार को प्रस्तुत की है। कंपनी एआई के माध्यम से सिंहस्थ मेले में क्राउड मैनेजमेंट करना चाहती है। इसका प्रस्ताव सरकार को भेजा गया है। इसके अलावा उज्जैन में पहले चरण में कंपनी ने 287 करोड़ का निवेश कर एक यूनिट का निर्माण किया है, जहां प्लास्टिक की निर्भरता कम करने के लिए बायोमास सेल्यूलोज क्रास लिंकड तकनीक से नए उत्पाद बनाए जाएंगे। ये पर्यावरण के लिए हानिकारक नहीं होंगे। कंपनी के राजेश भारद्वाज ने बताया कि सिंहस्थ मेले में पहले की तुलना में ज्यादा भीड़ आएगी। इस बार मेले में तकनीक का प्रयोग भी किया जाएगा। हम एआई के माध्यम से भीड़ नियंत्रित करने और उसकी संख्या का सटीक आंकड़ा सरकार को देंगे। हमारे पास इसकी उन्नत तकनीक है। कोरिया की कंपनी इसमें हमारी मदद करेगी। उन्होंने बताया कि प्रदेश में छह सेगमेंट में हम निवेश करेंगे। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के अलावा एविएशन स्किल डेवलपमेंट में भी हमारा निवेश होगा।

मेट्रो एंकर | एमपी में सरकार ने इंटीग्रेटेड टाउनशिप के नियम जारी किए

भोपाल-इंदौर जैसे शहरों पर राज्य स्तरीय समिति लेगी फैसला

भोपाल, दोपहर मेट्रो

राज्य शासन ने मध्य प्रदेश एकीकृत टाउनशिप नियम 2026 जारी कर दिए हैं। नए नियमों के तहत इंटीग्रेटेड टाउनशिप विकसित करने वाले डेवलपर को नगर एवं ग्राम निवेश विभाग में पंजीयन कराना होगा और प्रस्तावित परियोजना के लिए कम से कम 80 प्रतिशत भूमि का स्वामित्व हासिल करना अनिवार्य होगा। पांच लाख से अधिक आबादी वाले भोपाल, इंदौर, जबलपुर और ग्वालियर जैसे शहरों में टाउनशिप प्रस्तावों पर निर्णय शासन स्तर की समिति करेगी। पांच लाख से कम आबादी वाले शहरों में कलेक्टर की अध्यक्षता में साधिकार समिति अनुमोदन देगी।

10 से 20 हेक्टेयर न्यूनतम भूमि की शर्त- नयमों के अनुसार पांच लाख से कम जनसंख्या वाले नगरों में एकीकृत टाउनशिप के लिए न्यूनतम 10 हेक्टेयर भूमि आवश्यक होगी। पांच लाख से अधिक जनसंख्या वाले शहरों में यह सीमा 20 हेक्टेयर तय की गई है। स्थानीय निकाय सीमा या योजना क्षेत्र में 40 हेक्टेयर या अधिक क्षेत्रफल वाली परियोजनाओं के लिए कम से कम 30 मीटर चौड़ी सड़क अनिवार्य होगी। बड़े शहरों में विकास योजना सड़क की चौड़ाई 24 मीटर निर्धारित की गई है।

66 वर्गमीटर तक अफोर्डेबल आवास का प्रावधान- नियमों में अफोर्डेबल हाउसिंग के तहत अधिकतम 66 वर्गमीटर तक के आवास निर्माण की अनुमति दी गई है। परियोजना स्थल एक ही स्थान पर होना चाहिए। केवल राष्ट्रीय राजमार्ग, राज्य राजमार्ग या प्रमुख जिला मार्ग से विभाजित स्थिति में छूट रहेगी। डेवलपर के पंजीयन के लिए संचालक नगर एवं ग्राम निवेश को पंजीयन अधिकारी बनाया गया है। आवेदन ऑनलाइन स्वीकार किए जाएंगे। 15 दिन के भीतर आवेदन स्वीकृत या निरस्त किया जाएगा। निरस्तीकरण की स्थिति में 20 प्रतिशत कटौती के बाद शुल्क वापस होगा।

पंजीयन शुल्क 50 हजार, नवीनीकरण 25 हजार

पंजीयन शुल्क 50 हजार रुपए और नवीनीकरण शुल्क 25 हजार रुपए तय किया गया है। पंजीयन पूरे राज्य में मान्य रहेगा। डेवलपर को शपथ पत्र देना होगा कि वह किसी आपराधिक मामले में दोषी नहीं है। पांच लाख से अधिक जनसंख्या वाले जिलों में नगरीय विकास एवं आवास विभाग के सचिव की अध्यक्षता में समिति गठित होगी। इसमें संबंधित विभागों के प्रमुख अधिकारी सदस्य होंगे। अन्य जिलों में कलेक्टर अध्यक्ष होंगे और संबंधित स्थानीय अधिकारी सदस्य रहेंगे। संचालनालय नोडल एजेंसी होगा, जबकि अन्य में संयुक्त संचालक नोडल एजेंसी के रूप में कार्य करेगा।

AI कंटेंट के लिए कड़े नियम

केंद्र सरकार ने डीपफेक और AI से तैयार कंटेंट के लिए डिजिटल नियमों को कड़ा कर दिया है। तकनीक के दुरुपयोग को रोकने के लिए इसकी सख्त जरूरत थी। ऑडियो, विडियो और तस्वीरों से छेड़छाड़ व फर्जी कंटेंट सामाजिक सौहार्द बिगाड़ने के साथ-साथ आम लोगों व देश की सुरक्षा के लिए भी खतरा बन रहे हैं। सोशल मीडिया पर कोई भी नियम लागू करने पर सबसे पहले अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का सवाल उठाया जाता है, कि सरकार कहां तक निगरानी कर सकती है। इस लिहाज से नए नियम महत्वपूर्ण हैं, इनमें नियंत्रण से ज्यादा नियमन को तरजीह दी गई है। मकसद है, देखने वालों को असली और नकली के बीच का फर्क पता रहे, ताकि उसका इस्तेमाल किसी गलत काम के लिए न हो सके।

कंपनियों की जिम्मेदारीः नए नियमों के मुताबिक, AI से तैयार कंटेंट पर हर हाल में लेबलिंग होनी चाहिए। यह भी जरूरी है कि कंटेंट आया कहां से है और अगर कोई सामग्री गैरकानूनी है तो उसे तीन घंटे के भीतर हटाना होगा। सरकार ने नियमों के पालन के लिए तय समय-सीमा भी घटाई है। ऑनलाइन चीजें जिस तेजी से वायरल होती हैं, उसे देखते हुए जरूरी था कि एक्शन की रफ्तार भी बढ़ाई जाए। सोशल मीडिया प्लैटफॉर्म और उनके सीनियर अधिकारियों पर कार्रवाई की जिम्मेदारी डाली गई है, जो बिल्कुल ठीक है। ये कंपनियां हर बात में यूजर राइट्स और प्राइवेसी की आड़ लेकर बच नहीं सकतीं, उनकी भी जवाबदेही तय होना जरूरी है।

भारत में दुनिया के सबसे ज्यादा सोशल मीडिया यूजर मौजूद हैं और 86% से ज्यादा घरों तक इंटरनेट पहुंच चुका है। डिजिटल इंडिया आज तरक्की का संकेत है, लेकिन इसके साथ चुनौतियां भी बढ़ी हैं। डीपफेक और AI के जरिये ऑडियो-विडियो में छेड़छाड़ ऐसी ही एक गंभीर चुनौती है। सरकार से लेकर सुप्रीम कोर्ट तक इस पर चिंता जाहिर कर चुके हैं। साल 2024 में साइबर क्राइम के 22.68 लाख केस सामने आए थे। कई सेलेब्स शिकायत कर चुके हैं कि उनकी तस्वीरों-विडियो का इंटरनेट पर गलत इस्तेमाल हुआ।

आर्टिफिशल इंटेलिजेंस का विस्तार अभी शुरू हुआ है। इसके साथ देशों की राजनीति, समाज, अर्थव्यवस्था - सब कुछ नए ढंग से आकार ले रहा है। नई दिल्ली में अगले हफ्ते से AI समिट होना है, जिसमें इस फील्ड के दिग्गज शामिल होंगे। सरकार के इंडिया AI मिशन की सफलता के लिए यह सम्मेलन बेहद अहम है। आर्टिफिशल इंटेलिजेंस में भारत ने अभी बस शुरुआत की है। सफर उम्मीद से बेहतर हो, इसके लिए बेहतर नियमन जरूरी है।

जयंती पर विशेष

धर्म, समाज और राष्ट्र की चेतना जगाने वाले महान चिंतक स्वामी दयानंद सरस्वती

योगेश कुमार गोयल
स्तंभकार

स्वामी दयानंद ऐसे देशभक्त, समाज सुधारक, मार्गदशक और आधुनिक भारत के महान चिंतक थे, जिन्होंने न केवल ब्रिटिश सत्ता से जमकर लोहा लिया बल्कि अपने कार्यों से समाज को नई दिशा और ऊर्जा भी प्रदान की। 1857 की क्रांति में उनका अमूल्य योगदान था।

आर्य समाज के संस्थापक महर्षि स्वामी दयानन्द सरस्वती का जन्म गुजरात के टंकारा में 12 फरवरी 1824 को हुआ था। स्वामी दयानंद का बचपन बहुत अच्छा बीता लेकिन उनके जीवन में घटी एक घटना ने उन्हें इस कदर प्रभावित किया कि वे 21 वर्ष की आयु में ही अपना घर बार छोड़कर आत्मिक एवं धार्मिक सत्य की तलाश में निकल पड़े और संन्यासी बन गए। जीवन में ज्ञान की तलाश में वे स्वामी विरजानंद से मिले, जिन्हें अपना गुरु मानकर उन्होंने मथुरा में वैदिक तथा योग शास्त्रों के साथ ज्ञान की प्राप्ति की। साल 1845 से 1869 तक कुल 25 वर्षों की अपनी वैराग्य यात्रा में उन्होंने कई प्रकार के दैविक क्रियाकलापों के बीच विभिन्न प्रकार के योगों का भी गहन अभ्यास किया। देश के स्वतंत्रता संग्राम में स्वामी दयानंद की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण थी और 'स्वराज' का नारा उन्होंने ही दिया था, जिसे बाद में लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक ने अपनाया और 'स्वराज्य मेरा जन्मसिद्ध अधिकार है' का नारा दिया। वेदों का प्रचार-प्रसार करने के साथ-साथ उनकी महत्ता लोगों तक पहुंचाने तथा समझाने के लिए उन्होंने देशभर में भ्रमण किया। जीवनपर्यन्त वेदों, उपनिषदों का पाठ करने वाले स्वामी जी ने पूरी दुनिया को इस ज्ञान से लाभान्वित किया। उनकी किताब 'सत्यार्थ प्रकाश' आज भी दुनियाभर में अनेक लोगों के लिए मार्गदर्शक साबित हो रही है। वेदों को सर्वोच्च मानने वाले स्वामी दयानन्द ने वेदों का प्रमाण देते हुए हिन्दू समाज में फैली कुरीतियों और अंधविश्वासों का डटकर विरोध किया। जातिवाद, बाल विवाह, सती प्रथा जैसी समाज में फैली कुरीतियों को दूर करने में उनका योगदान उल्लेखनीय है, इसीलिए उन्हें 'संन्यासी योद्धा' भी कहा जाता है। दलित उद्धार तथा स्त्रियों की शिक्षा के लिए भी उन्होंने कई आन्दोलन किए। हिन्दू धर्म के अलावा इस्लाम तथा ईसाई धर्म में फैली बुराईयों और अंधविश्वासों का भी उन्होंने जोरदार खंडन किया। उन्होंने अपना पूरा जीवन मानव कल्याण, धार्मिक कुरीतियों की रोकथाम तथा वैश्विक एकता के प्रति समर्पित कर दिया। वे आध्यात्मिक क्रांति के संदेशवाहक थे।

स्वामी दयानंद ने आर्य समाज की स्थापना मुम्बई के गिरगांव में गुड़ी पड़वा के दिन 10 अप्रैल 1875 को की थी, जिसकी स्थापना का मुख्य उद्देश्य शारीरिक, आत्मिक और सामाजिक उन्नति के साथ समूचे विश्व को एक साथ जोड़ना था। आर्य समाज के द्वारा उन्होंने दस मूल्य सिद्धांतों पर चलने की सलाह दी। मूर्ति पूजा के अलावा वे जाति विवाह, महिलाओं के प्रति असमानता की भावना, मांस के सेवन, पशुओं की बलि देने, मंदिरों में चढ़ावा देने इत्यादि के सख्त खिलाफ थे और इसके लिए उन्होंने लोगों में जागरुकता पैदा करने के अथक प्रयास किए। अपने 59 वर्ष के जीवनकाल में महर्षि दयानंद ने न सिर्फ देश में व्याप्त बुराईयों के खिलाफ लोगों को जागृत किया बल्कि अपने वैदिक ज्ञान से नवीन प्रकाश को भी देशभर में फैलाया। हालांकि कई लोगों ने उनका जमकर विरोध भी किया लेकिन स्वामी दयानंद सरस्वती के तार्किक ज्ञान के समक्ष बड़े-बड़े विद्वानों और पंडितों को भी नतमस्तक होना पड़ा। वे अपने जीवन को पुनर्जन्म, ब्रह्मचर्य, संन्यास तथा कर्म सिद्धांत के चार स्तंभों पर खड़ा मानते थे।

स्वामी दयानंद हिन्दी भाषा के प्रबल समर्थक थे और उनका मत था कि कश्मीर से लेकर कन्याकुमारी तक पूरे देश में एक ही भाषा 'हिन्दी' बोली जानी चाहिए। मानव शरीर को नश्वर बताते हुए वह कहते थे कि हमें इस शरीर के जरिये केवल एक अवसर मिला है, स्वयं को साबित करने का कि 'मनुष्यता' और 'आत्मविवेक' क्या है। वे कहा करते थे कि शक्ति किसी अलौकिकता या चमत्कारिता के प्रदर्शन के लिए नहीं होती। सभी धर्मों और उनके अनुयायियों को वे एक ही ध्वज तले बैठा देखना चाहते थे।

दरअसल, उनका मानना था कि आपसी लड़ाई का फायदा सदैव तीसरा उठाता हैं इसलिए इस भेद को दूर करना आवश्यक है। कर्म करने को लेकर स्वामी जी तर्क देते थे कि काम करने से पहले सोचना बुद्धिमानी, काम करते हुए सोचना सतर्कता और काम करने के बाद सोचना मूर्खता है। वह कहा करते थे कि दुनिया को अपना सर्वश्रेष्ठ दीजिए और तब आपके पास सर्वश्रेष्ठ लौटकर आएगा। उनका कहना था कि अज्ञानी होना गलत नहीं है लेकिन अज्ञानी बने रहना गलत है।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

शोक सभाओं की भव्यता और बढ़ती सामाजिक प्रतिस्पर्धा का दुर्भाग्यपूर्ण चलन

डॉ. प्रियंका सौरभ
स्तंभकार

किसी भी सभ्य समाज की पहचान उसके उत्सवों से नहीं बल्कि उसके शोक से होती है। समाज दुःख को किस तरह ग्रहण करता है, उसे किस गरिमा और संवेदनशीलता के साथ व्यक्त करता है- यही उसकी मानवीय परिपक्वता का पैमाना है। दुर्भाग्यवश, आज हमारा समाज इस कसौटी पर खरा उतरता हुआ नहीं दिखता। शोक सभाएं, जो कभी दुःख बांटने और शोकाकुल परिवार को संबल देने का सहज माध्यम थीं, अब धीरे-धीरे भव्यता, प्रदर्शन और सामाजिक प्रतिस्पर्धा का मंच बनती जा रही हैं।

आज देश के अनेक हिस्सों में प्रमुख अखबारों के पन्ने पलटते समय यह दृश्य सामान्य हो गया है कि एक ही व्यक्ति के लिए दस, बीस या पचास शोक संदेश एक ही दिन प्रकाशित हो रहे हैं। वे भी साधारण नहीं बल्कि रंगीन, बड़े फॉन्ट में, कई बार पूरे-पूरे पृष्ठों पर। शोक संदेश अब सूचना नहीं, बल्कि विज्ञापन का रूप ले चुके हैं। कभी छह-सात पंक्तियों का श्वेत-श्याम शोक संदेश ही यह बताने के लिए पर्याप्त होता था कि अमुक व्यक्ति का निधन हो गया है और अमुक स्थान पर शोक सभा आयोजित है। रिश्तेदार और परिचित बिना किसी तामझाम के पहुंच जाते थे। उस समय शोक की अभिव्यक्ति में सादगी थी, मौन था और आत्मीयता थी। समय के साथ यह सादगी कहीं खोती चली गई। आज शोक संदेश का आकार, उसका रंग, उसका स्थान और उसका खर्च- सब कुछ सामाजिक हैसियत का प्रतीक बन गया है। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि मृत्यु जैसे अंतिम सत्य को भी हमने स्टेटस सिंबल में बदल दिया है। अब यह देखा जाता है कि किस परिवार ने कितना बड़ा शोक संदेश दिया, किसने रंगीन दिया और किसका संदेश पहले पन्ने पर छपा। शोक सभाओं का स्वरूप भी इसी प्रवृत्ति का प्रतिबिंब बन गया है। अब साधारण बैठक या घर के आंगन में बैठकर संवेदना प्रकट करने का चलन कम होता जा रहा है। उसकी जगह विशाल मंडप, सजे हुए पंडाल, सफेद पर्दे, कालीन और भव्य साज-सज्जा ने ले ली है। कई बार तो शोकसभा किसी बड़े बैंक्वेट हॉल या मैरिज गार्डन में आयोजित की जाती है, जहां का वातावरण शोक से अधिक किसी सामाजिक समारोह जैसा प्रतीत होता है।

मंच पर मृतक का बड़ा, सुसज्जित चित्र रखा जाता है, पुष्पमालाओं और सजावटी रोशनी के बीच। शोकाकुल परिवार के सदस्य भी पूरी तरह सज-संवरकर आते हैं। उनका पहनावा, उनकी देहभाषा और उनका व्यवहार किसी गहरे दुःख की अनुभूति नहीं कराता। ऐसा नहीं है कि वे दुःखी नहीं हैं लेकिन शोक की वह स्वाभाविक सादगी, वह मौन पीड़ा, इस भव्यता में दब जाती है। शोकसभा में उपस्थित लोगों की संख्या अब संवेदना का नहीं बल्कि प्रतिष्ठा का पैमाना बन चुकी है। कितने लोग आए, कितनी गाड़ियां आईं, कितने नेता पहुंचे, कितने अधिकारी आए- इन सबकी गिनती और चर्चा होती है। शोकसभा समाप्त होने के बाद भी यह मूल्यांकन चलता रहता है कि 'अमुक व्यक्ति तो आया ही नहीं' या 'फलां बड़े साहब भी पहुंचे थे।' मानो शोकसभा मृतक के प्रति श्रद्धांजलि न होकर सामाजिक शक्ति प्रदर्शन का अवसर हो।

यह प्रवृत्ति केवल तथाकथित उच्च वर्ग तक सीमित नहीं रही है। छोटे और मध्यमवर्गीय परिवार भी अब इस होड़ में शामिल होते जा रहे हैं। वे जानते हैं कि इस तरह का आयोजन उनकी आर्थिक क्षमता से बाहर है, फिर भी सामाजिक दबाव के कारण वे पीछे हट नहीं पाते। परिणामस्वरूप शोकसभा, जो मानसिक संबल देने का अवसर होनी चाहिए, आर्थिक बोझ में बदल जाती है। कई परिवार इस बोझ को उठाने में कठिनाई महसूस करते हैं, लेकिन 'लोग क्या कहेंगे' के भय से मजबूरी में यह सब करते हैं। इस भव्य आयोजन में खानपान की व्यवस्था भी एक महत्वपूर्ण तत्व बन गई है। चाय, कॉफी, मिनरल वाटर, नाश्ता और कई बार भोजन तक की व्यवस्था की जाती है। इन व्यवस्थाओं की गुणवत्ता और विविधता पर भी ध्यान दिया जाता है। यह दृश्य उस मूल भावना से बिल्कुल विपरीत है, जिसके तहत शोकसभा का आयोजन किया जाता है। शोकसभा का उद्देश्य लोगों को खिलाना नहीं बल्कि शोकाकुल परिवार के दुःख में सहभागी बनना है। शोकसभाओं में शामिल होने वाला व्यक्ति भी कई बार असमंजस में पड़ जाता है। वातावरण देखकर यह महसूस ही नहीं होता कि वह किसी शोकसभा में आया है। नए-नए रिवाज गढ़ लिए गए हैं, जबकि पुराने, सरल और गरिमामय रिवाज धीरे-धीरे लुप्त होते जा रहे हैं।

एक और चिंताजनक पहलू यह है कि पुण्य स्मृति और पुण्य तिथि जैसे अत्यंत निजी भाव भी अब सार्वजनिक प्रदर्शन का माध्यम बनते जा रहे हैं। किसी प्रियजन को याद करना व्यक्तिगत अनुभूति है। उसकी स्मृति मन में, परिवार के बीच और सादगी के साथ जीवित रहनी चाहिए। फिर यह आवश्यकता क्यों महसूस होती है कि बरस-दर-बरस अखबारों में बड़े-बड़े विज्ञापन देकर पूरे समाज को बताया जाए कि आप आज भी अपने प्रिय को याद करते हैं? क्या स्मरण का मूल्य उसके प्रचार में निहित है? यह प्रश्न केवल परंपरा का नहीं, बल्कि संवेदनशीलता का भी है। जब निजी दुःख सार्वजनिक दिखावे में बदल जाता है, तो उसकी आत्मा खो जाती है। शोक, जो आत्ममंथन और विनम्रता का अवसर होना चाहिए, वह अहं और प्रदर्शन का साधन बन जाता है। समय आ गया है कि समाज इस प्रवृत्ति पर गंभीरता से विचार करे। हमें यह समझना होगा कि मृत्यु किसी की सामाजिक हैसियत नहीं पूछती। वह सबको समान बना देती है। ऐसे में शोक की अभिव्यक्ति भी समान, सरल और गरिमामय होनी चाहिए। शोकसभा का उद्देश्य मृतक के प्रति श्रद्धांजलि देना और जीवितों को सांत्वना देना है, न कि समाज के सामने अपनी सामर्थ्य का प्रदर्शन करना।

मीडिया, सामाजिक नेतृत्व और स्वयं समाज को मिलकर इस दिशा में आत्मसंयम दिखाना होगा। अखबारों को भी यह सोचना चाहिए कि शोक संदेशों को विज्ञापन के रूप में बढ़ावा देना कहीं इस प्रवृत्ति को और तो नहीं बढ़ा रहा। सामाजिक प्रतिष्ठा का मापदंड शोक संदेशों के आकार से नहीं बल्कि मानवीय संवेदना से तय होना चाहिए। अंततः, शोक का सबसे सुंदर स्वरूप वही है जिसमें कम शब्द हों, कम दिखावा हो और अधिक संवेदना हो। मौन में कही गई बात, भव्य मंच से बोले गए भाषण से कहीं अधिक गहरी होती है। शोक सभाएं अत्यंत सादगीपूर्ण होनी चाहिए। यही मृतकों के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि है और यही संवेदनशील समाज की पहचान भी।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

हेल्थ अलर्ट

रिसर्च में खुलासा-इंफेक्शन की बीमारियों का मोटापे से संबंध, छोटी कर देता है जिंदगी

भारत के सरकारी आंकड़ों के मुताबिक वयस्क पुरुषों में 23 प्रतिशत और वयस्क महिलाओं में 24 प्रतिशत मोटापे के शिकार है। मोटे तौर पर देखा जाए भारत में औसतन 25 प्रतिशत वयस्क मोटापे के शिकार है। मोटापे से बेशक तत्काल कोई नुकसान न दिखता हो लेकिन यह जिंदगी को छोटी कर देता है। मोटापे के कारण लिवर, किडनी, पेट, फैटी डिजीज, जैसी परेशानियां होने लगती है। इतना ही नहीं मोटापे के कारण कैंसर का खतरा भी ज्यादा रहता है। अब एक नई रिसर्च में यह बात सामने आई है कि जो लोग मोटापे के शिकार होते हैं, उनमें इंफेक्शन डिजीज का खतरा ज्यादा रहता है। लैंसेट जर्नल में प्रकाशित एक नई स्टडी के मुताबिक 2023 में दुनियाभर में इंफेक्शन से होने वाली हर 10 में से लगभग एक मौत का संबंध मोटापे से था।

फिनलैंड और ब्रिटेन के 5 लाख 40 हजार से ज्यादा वयस्कों के आंकड़ों का विश्लेषण करने के बाद पाया गया कि मोटापे से पीड़ित लोगों में सामान्य वजन वाले लोगों की तुलना में संक्रमण के कारण अस्पताल में भर्ती होने या मौत का खतरा 70 प्रतिशत ज्यादा था। जिन लोगों को बहुत ज्यादा गंभीर मोटापा था, उनमें इंफेक्शन का खतरा तीन गुना तक अधिक पाया गया। मोटापा एक ऐसी चिकित्सीय स्थिति है जिसमें शरीर में जरूरत से ज्यादा चर्बी जमा हो जाती है। इसे आमतौर पर बॉडी मास इंडेक्स से मापा जाता है। अगर किसी व्यक्ति का क्रऋ्छ 30 किलोग्राम प्रति वर्ग मीटर या उससे ज्यादा है, तो उसे मोटापे की श्रेणी में रखा जाता है। लैंसेट में प्रकाशित इस अध्ययन ने एक महत्वपूर्ण कमी को पूरा करने की कोशिश की। शोध में बताया गया कि कोविड-19 महामारी के दौरान मोटापे से ग्रस्त लोगों में ऋश्र-ष्टश्ङ्क-2 संक्रमण के कारण अस्पताल में भर्ती होने या मौत का खतरा ज्यादा था, लेकिन यह स्पष्ट नहीं था कि क्या ऐसा खतरा अन्य संक्रामक बीमारियों में भी होता है या नहीं।

6 लाख मौतें मोटापे से जुड़ी हुई : इस सवाल का जवाब खोजने के लिए शोधकर्ताओं ने करीब साढ़े 4 लाख लोगों के हेल्थ डाटा का विश्लेषण किया। अध्ययन के दौरान प्रतिभागियों का क्रऋ्छ शुरुआत में दर्ज किया गया और उन्हें औसतन 13 से 14 वर्षों तक फॉलो किया गया। इस अवधि में शोधकर्ताओं ने इंफेक्शन डिजीज के कारण अस्पताल में भर्ती होने और मौत के मामलों पर नजर रखी।

सुविचार

थक कर बैठना मंज़िल नहीं, दो कदम आराम है, फिर आगे बढ़ना है।
-अज्ञात

निशाना

गुलाब देने में..!

दिनेश प्रभात

पहले झिझके जवाब देने में
अब वे आगे...गुलाब देने में
कितनी रातों को सो नहीं पाए
फिर भी पीछे हिसाब देने में
नींद देने में शून्य हैं लेकिन
एक नम्बर हैं ख़्वाब देने में
सिर्फ़ पढ़ने की चीज़ हैं आँखें
दिक्कतें क्या किताब देने में
इतने सुंदर कि मन झिझकता है
चन्द्रमा का ख़िताब देने में
उफ़! ये आँखों में पेड़ महुए का
कुछ तो हिचको शराब देने में
एक रत्ती न दर्प था हममें
शीर्ष पर तुम रुआब देने में
प्यार मेरा तो मौन सागर है
तुम जुटे इन्कलाब देने में
तुमने राजा बना दिया पल में
सदियाँ लगतीं नवाब देने में।

स्कैम सेफ्टी

गलत आदमी को OTP बताने से रोकेगा एयरटेल का नया फीचर, लॉन्च हुआ फ्रॉड अलर्ट सिस्टम

एयरटेल ने नया फीचर लॉन्च करते हुए कहा है कि कंपनी अपने ग्राहकों को ओटीपी मांगने के नाम पर होने वाली धोखाधड़ी से बचाएगी। स्पैम कॉल में ओटीपी मांगने वाले से रियल टाइम में सुरक्षा दी जाएगी। यह फीचर अभी हरियाणा में शुरू हुआ है। अगले दो सप्ताह में इसे देश भर के यूजर्स के लिए रोलआउट किया जाने लगेगा। जानकारी के अनुसार, एयरटेल का नया AI-पावर्ड सिस्टम संदिग्ध परिस्थितियों की पहचान करके ग्राहकों को समय रहते सचेत करता है।

टेलिकॉम कंपनी एयरटेल ने अपना नया AI-पावर्ड फ्रॉड अलर्ट सिस्टम लॉन्च कर दिया है। दावा है कि यह फीचर ग्राहकों को OTP (वन-टाइम पासवर्ड) से जुड़े बैंकिंग फ्रॉड से रियल-टाइम में सुरक्षा देगा। उदाहरण के लिए, अगर किसी ग्राहक को स्पैम नंबर से कॉल आती है और ओटीपी शेयर करने के लिए कहा जाता है तो एयरटेल का नया सिस्टम ग्राहक को अलर्ट करेगा। बताएगा कि ओटीपी शेयर करने से उनके साथ आर्थिक धोखाधड़ी हो सकती है। कंपनी का कहना है कि आजकल धोखेबाज लोग डिलीवरी, कस्टमर सपोर्ट या किसी और काम का बहाना बनाकर ग्राहकों पर जल्दबाजी का दबाव डालते हैं और उनसे बैंकिंग ट्रांजैक्शन से जुड़ा OTP शेयर करवा लेते हैं। OTP शेयर होते ही ग्राहक के बैंक अकाउंट में जमा रकम, खतरे में पड़ जाती है।

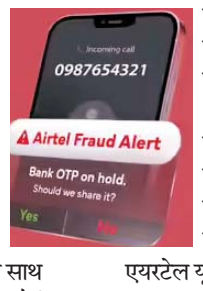

क्या करता है Airtel का नया सिस्टम?: जानकारी के अनुसार, एयरटेल का नया AI-पावर्ड सिस्टम संदिग्ध परिस्थितियों की पहचान करके ग्राहकों को समय रहते सचेत करता है। स्पैम कॉल के दौरान जैसे ही बैंक से भेजा गया OTP डिटेक्ट होता है, तो एयरटेल तुरंत 'फ्रॉड अलर्ट' के जरिये ग्राहक को चेतावनी देता है कि कॉल पर रहते हुए बैंकिंग ट्रांजैक्शन का OTP शेयर करना खतरनाक हो सकता है। कंपनी इस काम में एआई का इस्तेमाल कर रही है।

सेफ नेटवर्क पर काम : एयरटेल इंडिया के मैनेजिंग डायरेक्टर और CEO शाश्वत शर्मा ने बताया कि हम एयरटेल को एक सेफ नेटवर्क बनाने के मिशन पर काम कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि डिजिटल ट्रांजैक्शन को सेफ रखने में OTP की अहम भूमिका है। इसके बावजूद अपराधी अलग-अलग तरीकों से धोखाधड़ी की कोशिश में जुटे हैं। हमने एआई-पावर्ड फ्रॉड अलर्ट सिस्टम लॉन्च किया है। यह लोगों को जोखिम भरे नंबर पर ओटीपी शेयर करने के दौरान सचेत करेगा। अभी इस सुविधा को हरियाणा में लाया गया है। अगले 2 सप्ताह में सभी एयरटेल यूजर्स को इसका फायदा मिलने लगेगा।

71 अरब स्पैम कॉल्स की पहचान: एयरटेल ने बताया है कि उसने साल 2024 में अपना एआई बेस्ड स्पैम फिल्टर लॉन्च करने के बाद से अबतक 71 अरब से ज्यादा स्पैम कॉल्स की पहचान की है। साथ ही 2.9 अरब टेक्स्ट मैसेज को पहचाना है, जो ग्राहकों के साथ धोखाधड़ी का इरादा रखते थे। कंपनी के अनुसार, उसने वॉट्सऐप पर ही 8 लाख से अधिक फ्रॉड लिंक को ब्लॉक किया है। कंपनी का दावा है कि एयरटेल यूजर्स के फोन में आने वाले स्पैम कॉल्स दूसरे नेटवर्क के मुकाबले 70 फीसदी कम हुए हैं।

यूटिलिटी

बार-बार KYC की टेंशन होगी खत्म, सरकारी डिजिलॉकर से तुरंत होगा वेरिफिकेशन

बैंकिंग और फाइनेंस से जुड़े कामों के लिए अब आपको बार-बार KYC की झंझट नहीं झेलनी होगी। मामले से जुड़े लोगों का कहना है कि सरकार फरवरी के आखिर तक सेंट्रल केवाईसी रेकॉर्ड्स रजिस्ट्री (CKYCRR 2.0) का नया और बेहतर वर्जन लाने जा रही है। इसे डिजिलॉकर से जोड़ा जाएगा, जिससे आपके दस्तावेजों का वेरिफिकेशन तुरंत और सीधे सरकारी डेटाबेस से हो सकेगा।

मामले से जुड़े लोगों का कहना है कि सबसे बड़ा बदलाव डिजिलॉकर के साथ इसका पूरी तरह जुड़ना होगा। इससे सरकारी दस्तावेज जारी करने वाली संस्थाओं के जरिए सीधे और तुरंत डॉक्यूमेंट्स की जांच और वेरिफिकेशन हो सकेगा। उम्मीद है कि इससे ग्राहकों के लिए समय-समय पर होने वाले KYC अपडेट की प्रक्रिया आसान हो जाएगी। बैंकों, बीमा कंपनियों, म्यूचुअल फंड और अन्य संस्थानों में बार-बार होने वाले वेरिफिकेशन से छुटकारा मिलेगा।

डिजिलॉकर क्लाउड-आधारित एक सुरक्षित प्लैटफॉर्म है, जहां दस्तावेज और सर्टिफिकेट स्टोर और वेरीफाई किए जाते हैं। अधिकारियों ने ET को बताया कि CKYCRR 2.0 के तहत, संस्थानों द्वारा अपलोड किए गए दस्तावेजों की जांच सीधे उन अथॉरिटीज से की जाएगी जिन्होंने वे डॉक्यूमेंट जारी किए हैं। फिलहाल, रिपोर्ट करने वाली संस्थाएं CKYC डेटाबेस में रजिस्टर मोबाइल नंबर के जरिए KYC रेकॉर्ड खोज सकती हैं, जिससे ग्राहकों के रेकॉर्ड तक पहुंचना आसान हो गया है। अपग्रेड होने वाली इस रजिस्ट्री में AI का इस्तेमाल करके फोटो मिलान किया जाएगा ताकि दो रेकॉर्ड न बनें। PAN, ड्राइविंग लाइसेंस और आधार डेटाबेस के जरिए सीधे एपीआई (API) आधारित वेरिफिकेशन भी हो सकेगा। यह सिस्टम संस्थानों को डुप्लीकेट केवाईसी रेकॉर्ड की रिपोर्ट करने, उन्हें बंद करने या आपस में जोड़ने की सुविधा भी देगा।

प्रक्रिया को सरल बनाने पर जोरः साल 2025-26 के बजट में सरकार ने KYC नियमों को सरल बनाने और समय-समय पर इसे अपडेट करने के लिए एक आसान तरीका लाने का ऐलान किया था। तब से कुछ कदम उठाए जा चुके हैं। इनमें व्यक्तिगत और कानूनी संस्थाओं के KYC रेकॉर्ड डाउनलोड करने के लिए ऐक्स्ट्रा सिक्योरिटी (ऑथेंटिकेशन) जोड़ना शामिल है।

क्या है तैयारी?: सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, CERSAI ने CKYC रजिस्ट्री पर लगभग 8,000 संस्थाओं और 'सिक्योरिटी इंटरेस्ट रजिस्ट्री' पर करीब 6,000 संस्थाओं को जोड़ा है।

न्यूज विंडो

अभियान दावत फूड्स ने स्वास्थ्य विभाग को सौंपी हाईटेक एम्बुलेंस

औबेदुल्लागंज। औद्योगिक क्षेत्र स्थित प्रतिष्ठित कंपनी दावत फूड्स लिमिटेड ने सामाजिक सरोकार की दिशा में एक बड़ी पहल की है। कंपनी ने अपने सीएसआर फंड से जिले के टीबी मरीजों की बेहतर जांच और त्वरित उपचार के लिए स्वास्थ्य विभाग को एक सर्वसुविधायुक्त आधुनिक मोबाइल एम्बुलेंस भेंट की है। औबेदुल्लागंज ब्लॉक मेडिकल ऑफिसर डॉ. धर्मेंद्र कुमार गौर ने विभाग की ओर से इस एम्बुलेंस की चाबी ग्रहण की। इस अवसर पर दावत फूड्स के प्रतिनिधियों के साथ स्वास्थ्य विभाग का अमला मौजूद रहा। डॉ. गौर ने कंपनी की सराहना करते हुए कहा कि यह वाहन ग्रामीण और सुदूर क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाने में क्रांतिकारी कदम साबित होगा। अक्सर ग्रामीण क्षेत्रों में जानकारी और संसाधनों के अभाव में टीबी के लक्षण छिप जाते हैं। अब यह मोबाइल एम्बुलेंस सीधे गांवों तक पहुंचेगी, जिससे अस्पताल आपके द्वार÷ की अवधारणा साकार होगी। कैंप लगाकर संदिग्ध मरीजों की पहचान कर उनका मौके पर ही उपचार शुरू किया जाएगा, जिससे प्रधानमंत्री के टीबी मुक्त भारत अभियान को जिले में नई गति मिलेगी।

शिव-साधना और कला का संगम भोजपुर में सजेगी कवियों की चौपाल

औबेदुल्लागंज। ऐतिहासिक भोजपुर शिव मंदिर प्रांगण में महाशिवरात्रि के पावन पर्व पर संस्कृति विभाग, मध्यप्रदेश शासन द्वारा तीन दिवसीय 'महादेव-भोजपुर महोत्सव' का भव्य आयोजन 15 से 17 फरवरी तक किया जा रहा है। जिला प्रशासन रायसेन के सहयोग से होने वाला यह उत्सव प्रतिदिन शाम 6:30 बजे से प्रारंभ होगा। संस्कृति संचालक एनपी नामदेव ने बताया कि यह आयोजन भोजपुर की आध्यात्मिक धरोहर को राष्ट्रीय पटल पर प्रतिष्ठित करने का एक सशक्त प्रयास है। महोत्सव के प्रथम दिन 15 फरवरी को सुप्रसिद्ध भजन गायक लखबीर सिंह लक्खा अपनी मधुर वाणी से शिवभक्ति का रस घोलेंगे, इससे पूर्व सागर के कलाकारों द्वारा लोकगायन और बधाई-बरेदी नृत्य की प्रस्तुति दी जाएगी। 16 फरवरी को मुंबई की भावना शाह द्वारा नृत्य-नाटिका और पार्श्व गायिका महालक्ष्मी अय्यर के सुगम संगीत का कार्यक्रम होगा। महोत्सव के अंतिम दिन 17 फरवरी को अखिल भारतीय कवि सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा, जिसमें अशोक चक्रधर, दिनेश बावरा और गजेन्द्र सोलंकी जैसे देश के प्रतिष्ठित कवि सम्मिलित होंगे। विभाग ने जनसामान्य से इस दिव्य संगम में सहभागी बनने का आह्वान किया है।

तहसील रोड पर स्थित राज्य अजीविका मिशन के 45 लाख से निर्मित भवन का लोकार्पण

सिरोंज। नारी घर की समृद्धि की प्रतीक होती है। जहां नारी की पूजा होती है। वह स्थल मंदिर बन जाता है। नारी यदि ठान ले तो वह धन और ज्ञान का भंडार भर सकती है। महिलाएं सबकी चिंता करती है। रिषी गार्गी की पत्नी ने वेद लिखे तो सति अनसुनइया ने माता सीता को शिक्षा दी। वह महिषासुरर्दीनी है तो काली भी बन सकती है। विधायक उमाकांत शर्मा ने बुधवार को यह बात तहसील रोड पर 45 लाख से बने राज्य अजीविका मिशन के भवन के लोकार्पण के दौरान कही। उन्होंने कहा कि अजीविका मिशन के माध्यम से स्वसहायता समूहों से जुड़ी महिलाओं ने बताया है कि अवसर मिले तो उन्हें आगे बढ़ने से कोई नहीं रोक सका। वे सबकी चिंता करती हैं। खुद भी आगे बढ़ रही हैं और परिवार को भी सक्षम बना रही हैं। केन्द्र और प्रदेश की भाजपा की सरकारों ने महिलाओं को सक्षम बनाने के लिए अनेक योजनाएं शुरू की हैं। लखपति दीदी योजना के साथ ही लाड़ली लक्ष्मी योजना और लाड़ली बहना योजनाओं के माध्यम से महिलाओं को बड़ा संबल मिला है। कार्यक्रम में मौजूद अन्य 3 महिला जनपद सदस्यों को भी साफा पहनाया गया। जनप्रतिनिधियों ने मौजूद महिलाओं का फूल बरसाकर स्वागत भी किया। कार्यक्रम में ग्रामीण इलाकों में संचालित स्वसहायता समूह की महिलाएं शामिल होने आईं थी। विधायक ने गांवों में देसी शब्दों का प्रचलन कम होने पर चिंता भी जताई। उन्होंने कुछ शब्दों का उच्चारण कर उनका अर्थ भी पूछा। उन्होंने पूछा बताओ लपक लोलाइयां क्या होता है। आयोजन में मौजूद करीब 400 महिलाओं में से केवल एक महिला वीरपुर निवासी रमकोबाई ने जवाब दिया। वे बोली दिन डूबते समय जब सूरज लाल-पीला होता है और समय न दोपहर का होता है और न रात का तो वह समय लपक लोलाइयां कहलाता है।

नमामि गंगे के तहत केंद्रीय दल ने किया मंडीदीप में जलाशयों का निरीक्षण

कलियासोत डैम और नदियों में प्रदूषण पर जताई नाराजगी, कहा-अपशिष्ट रोकें और जलकुंभी हटाएं

मंडीदीप।। दोपहर मेट्रो

भारत सरकार द्वारा गंगा वेसिन की स्वच्छता के लिए चलाये जा रही महत्वपूर्ण परियोजना नमामि गंगे के तहत बुधवार को केंद्र सरकार के भूमि संसाधन विभाग, जल शक्ति मंत्रालय और ग्रामीण विकास मंत्रालय के संयुक्त दल मंडीदीप पहुंचा था। दल ने स्थानीय अधिकारियों के साथ बेतवा नदी और उसकी सहायक कलियासोत नदी का विभिन्न स्थानों पर पहुंचकर निरीक्षण किया। दल ने प्रदूषण के गंभीर स्तर को देखते हुए मौके पर मौजूद प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड और नगर पालिका मंडीदीप के अधिकारियों को जमकर फटकार लगाई। अधिकारियों को शहरी एवं औद्योगिक अपशिष्ट को नदियों में मिलने से तत्काल रोकने के सख्त निर्देश दिए गए। स्थानीय अधिकारी केंद्रीय दल को उन स्थलों पर नहीं ले गए जहां बेतवा नदी सबसे अधिक प्रदूषित हो रही है। मंडीदीप के मण्डदेहरी गांव के पास एक नाले के रूप में औद्योगिक अपशिष्ट सीधे बेतवा में छोड़ा जा रहा है, जबकि हमीरी गांव के पास शहरी अपशिष्ट नदी में मिल रहा है। लेकिन इन संवेदनशील स्थानों को टीम से छिपाया गया, जिससे प्रदूषण नियंत्रण के प्रयासों पर सवाल उठ रहे हैं। केंद्रीय दल में भारत सरकार भूमि संसाधन विभाग के संयुक्त सचिव नितिन खाड़े, जल शक्ति मंत्रालय के संयुक्त संचालक राहुल द्विवेदी और ग्रामीण विकास मंत्रालय के एडवाइजर एसकेएम गुटे शामिल थे। टीम ने बेतवा नदी के उद्गम स्थल झिरी, मंडीदीप स्थित कलियासोत नदी और सलकनी में बेतवा नदी का गहन निरीक्षण किया। एसडीएम सीएस श्रीवास्तव ने बताया कि भारत सरकार के तीन विभागों का एक दल बुधवार को मंडीदीप आया था, दल ने बेतवा ओर उसकी सहायक नदी कलियासोत का अलग अलग स्थानों पर निरिक्षण कर नदियों में मिलने वाले शहरी एवं औद्योगिक अपशिस्ट को तत्काल प्रभाव से रोकने के निर्देश दिए है, स्थानीय स्तर पर इसे शुरू कर दिया गया है।

उद्गम स्थल पर स्वच्छता अभियान चलाएं

बेतवा नदी के उद्गम स्थल झिरी पर पहुंचकर दल ने नदी की वर्तमान स्थिति पर गहरी नाराजगी जताई। अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि यहां तत्काल स्वच्छता अभियान चलाया जाए, नदी को उसके मूल स्वरूप में लौटाया जाए और इसकी निर्मलता सुनिश्चित करने के लिए ठोस कदम उठाए जाएं। वहीं कलियासोत और बेतवा नदी में बड़े पैमाने पर फैली जलकुम्भी को देखकर दल के सदस्य बेहद नाराज हुए। उन्होंने इसे नदी की सेहत के लिए बड़ा खतरा बताते हुए तत्काल प्रभाव से हटाने के सख्त निर्देश दिए। दल ने स्पष्ट किया कि बेतवा नदी गंगा बेसिन की प्रमुख सहायक नदी है। इसकी निर्मलता के बिना नमामि गंगे अभियान की सफलता संभव नहीं है। इसी उद्देश्य से भारत सरकार द्वारा एक सप्ताह में दूसरी बार दल बेतवा नदी का निरीक्षण करने भेजा है। सरकार मुख्य लक्ष्य बेतवा का पुनरुद्धार और पूर्ण निर्मलता सुनिश्चित करना है।

युवक की हत्या से आक्रोश, जय स्तंभ चौक पर शव रखकर किया चक्काजाम

गंजबासौदा। दोपहर मेट्रो

शहर में गत दिवस विवाद में चाकू से घायल 24 वर्षीय युवक गौरव यादव की इलाज के दौरान मौत हो गई। युवक की मौत की खबर फैलते ही पूरे शहर में सनसनी फैल गई और माहौल तनावपूर्ण हो गया। आक्रोशित परिजन और नागरिक मृतक का शव लेकर सीधे जय स्तंभ चौक पहुंच गए, जहां शव रखकर चक्काजाम कर दिया गया। करीब एक घंटे तक शहर का मुख्य मार्ग पूरी तरह ठप रहा। घटना की सूचना मिलते ही बड़ी संख्या में लोग चौक पर एकत्रित हो गए। आक्रोशित भीड़ ने प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और आरोपियों की तत्काल गिरफ्तारी व कठोर कार्रवाई की मांग पर अड़ गई। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए शहर थाना पुलिस के साथ आसपास के थानों का बल भी मौके पर तैनात किया गया। पुलिस अधिकारियों ने भीड़ को समझाने का प्रयास किया, लेकिन परिजन न्याय की मांग पर डटे रहे। अनुविभागीय अधिकारी पुलिस (एसडीओपी) शिखा भलावी मौके पर पहुंचीं। उन्होंने मृतक के परिजनों से चर्चा कर मामले में त्वरित और सख्त कार्रवाई का आश्वासन दिया। आश्वासन के बाद परिजन और नागरिक जय स्तंभ चौक से शहर थाना पहुंचे, जहां मृतक के परिजनों के बयान दर्ज किए गए। एसडीओपी शिखा भलावी ने बताया कि पूरे मामले में शहर थाने में हत्या का प्रकरण दर्ज कर लिया गया है और पुलिस विभिन्न पहलुओं से जांच में जुटी है। आरोपियों की तलाश के लिए टीमों का गठन किया गया है।

जनगणना 1 मई से, दो चरणों में होगी संपन्न

नर्मदापुरम। दोपहर मेट्रो

वर्ष 2027 की राष्ट्रीय जनगणना नर्मदापुरम जिले में दो चरणों में संपादित की जाएगी। यह जानकारी आयोजित जिला जनगणना समन्वयक समिति की बैठक के दौरान जनगणना विभाग भोपाल से नर्मदापुरम आई जनगणना अधिकारी आयुषी यादव ने दी। भारत सरकार ने 16 जून 2025 को जनगणना की अधिसूचना जारी की थी, जबकि मध्यप्रदेश शासन ने 11 जुलाई 2025 को इसका पुनः प्रकाशन किया।

नर्मदापुरम जिले की 10 तहसीलों, 08 नगरों और 987 ग्राम पंचायतों में जनगणना की जाएगी। इसका पहला चरण 1 मई 2026 से 30 मई 2026 तक केवल मकान सूचीकरण और मकानों की गणना के लिए होगा। इस चरण में सभी मकानों को अलग-अलग ब्लॉक में बाँटा जाएगा, जिसमें हर गांव और वार्ड के लिए पृथक हाउस-लिस्टिंग ब्लॉक बनाया जाएगा तथा सभी मकानों को नंबर भी दिया जाएगा। किसी भी ब्लॉक में दो गांव या दो वार्डों का मिश्रण नहीं होगा। दूसरा चरण 1 मार्च 2027 से प्रारंभ कर जनसंख्या की वास्तविक गणना किए जाने का निर्धारित है। इस चरण में प्रत्येक प्रगणक को लगभग 800 लोगों और 150 मकानों की गणना करने का लक्ष्य निर्धारित है। नर्मदापुरम जिले में जनगणना 2027 के लिए जिला स्तरीय 08 अधिकारी, 18 चार्ज अधिकारी, लगभग 02 मास्टर ट्रेनर, 48 फील्ड ट्रेनर, 28 व 69 प्रगणक (रिजर्व सहित) तथा 488 पर्यवेक्षक (रिजर्व सहित) निर्धारित किए गए हैं। सदस्यता में प्रशिक्षण भी दिया जाएगा।डिजिटल जनगणना और स्वयं गणनाजनगणना 2027 पूर्णतः डिजिटल तरीके से की जाएगी, जिसमें स्व गणना पोर्टल व मोबाइल ऐप 'जनगणना प्रगणनकर्ता' द्वारा आंकड़े संकलित किए जाएंगे। यह ऐप घर-घर जाकर किए जाने वाले सर्वे की डेटा प्रोसेसिंग, मैपिंग व मॉनिटरिंग का कार्य करेगा। मकान सूचीकरण के लिए मकान सूचीकरण ब्लॉक निर्माण वेब पोर्टल का उपयोग किया जाएगा, तथा जनगणना प्रबंधन और मॉनिटरिंग प्रणाली पोर्टल के द्वारा प्रक्रियाओं का मॉनिटरिंग किया जाएगा।सुश्री यादव ने कहा कि केंद्रीय सरकार ने मध्यप्रदेश को पहले ही 33 करोड़ 74 लाख रुपए की राशि हस्तांतरित की है तथा आवश्यकता अनुसार समय-समय पर अतिरिक्त राशि भी प्राप्त की जाएगी। जनगणना के बाद राज्य शासन उपयोगिता प्रमाण पत्र जारी करेगा। सभी आम नागरिकों से प्राप्त आंकड़े पूर्णतः गोपनीय रखे जाएंगे व तीसरे पक्ष को प्रकट नहीं किए जाएंगे।

आवारा कुत्तों के प्रबंधन के लिए चरणबद्ध कार्ययोजना तैयार करें: कलेक्टर मीना

नर्मदापुरम। दोपहर मेट्रो

कलेक्टर कार्यालय के सभाकक्ष में बुधवार को जिला पशु कल्याण एवं पशु क्रूरता निवारण समिति की संयुक्त बैठक कलेक्टर सोनिया मीना की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक में एडिशनल एसपी अभिषेक राजन, उपसंचालक पशुपालन डॉ. सी.के. दुबे, सिविल सर्जन डॉ. शैलेंद्र नेमा सहित समिति के सदस्य मौजूद रहे। कलेक्टर ने डॉग शेल्टर के लिए चिन्हित भूमि पर शीघ्र कार्य शुरू करने के निर्देश दिए। उन्होंने सभी नगरीय निकायों को सुप्रीम कोर्ट के दिशा-निर्देशों और मानक संचालन प्रक्रिया का पालन सुनिश्चित करने को कहा। श्वानों की स्टरलाइजेशन के लिए पशुपालन विभाग से समन्वय कर विस्तृत कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए गए।उन्होंने कहा कि आवारा श्वानों की समस्या वाले क्षेत्रों में प्राथमिकता से अभियान चलाया जाए। डूडा परियोजना अधिकारी को सभी निकायों से भूमि चिन्हांकन, प्रस्ताव, कार्य प्रगति और नोडल अधिकारियों की जानकारी एकत्रित करने को कहा। कलेक्टर ने संस्थागत परिसरों में श्वान काटने की घटनाओं को रोकने पर जोर देते हुए सभी पक्षों से सतर्कता बरतने को निर्देशित किया। पशु कल्याण समिति में पशु उपचार, उन्नत नस्ल विकास और संवर्धन की समीक्षा की गई। क्रूरता निवारण समिति में आवारा श्वानों को चरणबद्ध तरीके से पकड़ने, प्रशिक्षण और सुरक्षित स्टरलाइजेशन पर बल दिया गया।

चोरी के आरोपी पर 10 हजार का इनाम

सिरोंज। दोपहर मेट्रो

गोपाल नगर में प्राचीन विष्णु मंदिर में हुई वारदात के आरोपियों को पुलिस तीन दिन बाद भी गिरफतार नहीं कर सकी है। 8-9 फरवरी की रात में अज्ञात आरोपियों ने गांव में स्थित मंदिर का ताला तोड़कर यहां स्थापित प्रतिमाओं को तोड़ दिया था। घटना को लेकर ग्रामीणों ने चक्काजाम कर नाराजगी जताई थी। दो दिन के भीतर ही मंदिर परिसर में सिरोंज और कुरवाई विधायक भी निरीक्षण करने पहुंचे। वहीं जिले के पुलिस अधिकारी भी मौका-मुआयना करने पहुंचे। बावजूद इसके घटना को अंजाम देने वाले आरोपी तीन दिन बाद भी पुलिस गिरफत से बाहर है। इस बीच एसपी रोहित कासवानी ने घटना को अंजाम देने वाले फरार आरोपियों का सुराग देने वाले को 10 हजार का नगद इनाम देने की घोषणा भी की है। एसडीओपी सोनू डाबर ने बताया कि सूचना देने वाले का नाम गुप्त रखा जाएगा। मामले में टीम भी लगातार आरोपियों की तलाश में जुटी हुई है।

नारी शक्ति की सुरक्षा सर्वोपरि: सांसद

नर्मदापुरम। दोपहर मेट्रो

संसदीय शोध विस्तार (एनेक्सी) के समिति कक्ष '02' में आयोजित महिला सशक्तीकरण संसदीय समिति की महत्वपूर्ण बैठक में राज्यसभा सांसद माया नारोलिया ने सक्रिय भागीदारी निभाई। प्रख्यात समाजसेवी और राज्यसभा सांसद श्रीमती सुधा मूर्ति की अध्यक्षता में हुई इस बैठक का मुख्य विषय महिलाओं और लड़कियों की तस्करी–पीड़ितों की रोकथाम, सुरक्षा और पुनर्वास रहा। गृह मंत्रालय और महिला एवं बाल विकास मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों ने बैठक में देश में मानव तस्करी की मौजूदा स्थिति, रोकथाम के लिए उठाए जा रहे विधायी व प्रशासनिक कदमों की जानकारी दी। उन्होंने पीड़ितों की सुरक्षा, रेस्क्यू ऑपरेशनों और सम्मानजनक पुनर्वास के लिए चल रही सरकारी योजनाओं पर विस्तृत प्रस्तुति भी पेश की।समिति सदस्य श्रीमती माया नारोलिया ने ठोस कार्रवाई और समन्वय पर जोर देते हुए कहा केवल कानून बनाना पर्याप्त नहीं। राज्यों के साथ समन्वय, जन-जागरूकता कार्यक्रमों को मजबूत बनाना जरूरी है। तस्करी की शिकार बालिकाओं व महिलाओं को समाज की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए रणनीतिक प्रयास अनिवार्य हैं। बैठक में सभी सदस्यों ने महिलाओं व बालिकाओं की सुरक्षा के लिए तस्करी जैसे अपराधों पर कड़ा प्रहार करने की मांग की। समिति ने मंत्रालयों को निर्देश दिए कि जवाबदेही बढ़ाकर ठोस कदम उठाए जाएं, ताकि कोई बेटी असुरक्षित न रहे।

मेट्रो एंकर

मतदान केंदों पर श्रद्धापूर्वक मनाई पंडित दीनदयाल की पुण्यतिथि

एकात्म मानववाद दीनदयाल जी का मूल दर्शन-उमाकांत शर्मा

सिरोंज। दोपहर मेट्रो

एकात्म मानववाद के प्रणेता जनसंघ के संस्थापक सदस्य भारतीय जनता पार्टी के प्रेरणा पुंज पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी की पुण्यतिथि समर्पण दिवस के रूप में मनाई गई। इस अवसर पर विधायक उमाकांत शर्मा एवं भारतीय जनता पार्टी नगर मंडल के कार्यकर्ताओं ने लटेरी रोड स्थित दीनदयाल मानस उद्यान में एकत्रित होकर पंडित दीनदयाल जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर अपने श्रद्धासुमन अर्पित किए। इस अवसर पर विधायक उमाकांत शर्मा ने भारतीय जनता पार्टी संगठन की रीति नीति से अवगत कराते हुए दीनदयाल उपाध्याय द्वारा प्रदत्त एकात्म मानववाद के सिद्धांत को चरितार्थ करते हुए समाज के अंतिम व्यक्ति के कल्याण करने की विचारधारा को अंगीकार करते हुए जनकल्याण में सहभागिता करने की बात कही। उन्होंने कहा कि एकात्म मानववाद दीनदयाल जी का मूल दर्शन है,जो मनुष्य को शरीर, मन, बुद्धि और आत्मा के रूप में देखता है और आर्थिक विकास को सिर्फ भौतिक नहीं, बल्कि सर्वांगीण मानता है। इसके साथ ही अंत्योदय के कल्याण से आर्थिक विकास का लाभ समाज के सबसे गरीब और वंचित व्यक्ति तक पहुँच तथा शोषण मुक्त समाज का निर्माण हो।

मतदान केंद्रों पर किए कार्यक्रम

भाजपा प्रदेश संगठन के आव्हान पर पंडित दीनदयाल उपाध्याय की पुण्यतिथि नगर मंडल के प्रत्येक मतदान केंद्र पर श्रद्धापूर्वक रूप से मनाई गई। इस अवसर पर स्थानीय संगठन द्वारा तय किए गए वक्ताओं ने मतदान केंद्रों पर पहुंचकर भारतीय राजनीति में एकात्म मानववाद के प्रणेता पंडित दीनदयाल उपाध्याय के जीवन वृत पर अपने विचार बूथ कार्यकर्ताओं के समक्ष रखें। इस अवसर पर प्रमुख रूप से मंडल अध्यक्ष सीताराम कुशवाह,नपाध्यक्ष मनमोहन साहू,हरीबाबू भार्गव, रमेश यादव,शिव कुमार भार्गव, संतोष चौरे,अनिल यादव, नपा उपाध्यक्ष मनोज शर्मा, हरिचरण अहिरवार, रुपेश यादव, सचिन शर्मा, सहित बूथ अध्यक्षगण,जनप्रतिनिधि, बूथ कार्य समितियां एवं नागरिकगण उपस्थित रहे।

पुलिस महकमे में हड़कंप

एमपी के व्यापारी को लॉरेंस बिश्नोई गैंग की धमकी, 10 करोड़ की फिरौती मांगी

अशोकनगर। दोपहर मेट्रो

प्रदेश के अशोकनगर जिले के एक व्यापारी को अंतरराष्ट्रीय बदमाश लॉरेंस बिश्नोई गैंग से धमकी मिलने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। बताया जा रहा है कि, बदमाश ने वॉइस मैसेज के जरिए व्यापारी को जान से मारने की धमकी दी है। साथ ही, दो दिन में 10 करोड़ रुपए फिरौती की मांग की है। रकम न देने पर परिणाम भुगतने को तैयार रहने की चेतावनी भी दी गई है। मामला सामने आते ही पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया है। फिलहाल, वॉइस मैसेज का सोर्स जानने के लिए सायबर पुलिस ने जांच शुरु कर दी है। दरअसल, सूबे के अशोकनगर के प्रसिद्ध व्यवसायी अंकित अग्रवाल को लॉरेंस बिश्नोई गैंग से धमकी मिली है। बिश्नोई गैंग के सदस्य हरि बॉक्सर ने ये धमकी दी है। पहले संपत्ति और परिवार की दी जानकारी, फिर धमकी भरे वॉइस मेसेज से 10 करोड़ की फिरौती मांगी है। 2 दिन में फिरौती की रकम न देने पर जान से मारने की धमकी दी गई है।

जांच में जुटी पुलिस

वॉइस मेसेज में लिखा- गलतफहमी मत पालन, रुपये दो, नहीं तो जान से हाथ धो। व्यापारी अग्रवाल प्रॉपर्टी डीलर समेत ट्रैक्टर शोरूम और पेट्रोल पंप के मालिक है। धमकी के बाद घबराए व्यापारी ने कोतवाली पुलिस को साक्ष्य के साथ दिया आवेदन दिया है। पुलिस की सायबर सेल मामले की जांच कर रही है। एडिशनल एसपी बोले फर्जी लोगों द्वारा भी मैसेज भेजा जा सकता है। फिलहाल, मामले की जांच शुरु कर दी गई है।

हाईकोर्ट का आदेश- लापरवाही बरतने वाले पुलिसकर्मी थानों पर न रहें

जीरापुर टीआई मनीष शर्मा हटाए गए, 3 साल पहले कोलारस में एनडीपीएस एक्ट में बरती थी लापरवाही

राजगढ़। दोपहर मेट्रो

प्रदेश हाईकोर्ट की ग्वालियर खंडपीठ ने बड़ा फैसला सुनाया है। कोर्ट ने अवैध मादक पदार्थ के एक मामले में विवेचना के दौरान लापरवाही बरतने वाले तत्कालीन पुलिसकर्मियों को थानों में पदस्थ नहीं करने के आदेश दिए हैं। जिसके बाद एसपी शिवपुरी ने ऐसे तमाम पुलिसकर्मियों को थानों से हटाने के निर्देश दिए हैं और राजगढ़ जिले में भी जीरापुर थाने में पदस्थ टीआई मनीष शर्मा को हटा दिया गया है।

करीब तीन साल पुराने एक मामले में हाई कोर्ट की ग्वालियर खंडपीठ ने फैसला सुनाया है। जिसके तहत अवैध मादक पदार्थ की विवेचना के दौरान लापरवाही बरतने वाले तत्कालीन पुलिसकर्मियों को थानों पर पदस्थ नहीं करने के निर्देश दिए गए हैं। इसी के तहत एसपी शिवपुरी ने ऐसे तमाम पुलिसकर्मियों को तत्काल थानों से हटाने के निर्देश दिए हैं। मामला शिवपुरी जिले का है। वर्ष-2023 में एनडीपीएस एक्ट के एक मामले में पुलिसकर्मियों की लापरवाही सामने आई थी, जिसमें कार्रवाई के दौरान जब्त 12 सैंपल के बैग गायब होने की बात की पुष्टि हुई थी।

थानों से हटाए गए लापरवाही बरतने वाले पुलिसकर्मी

हाई कोर्ट की बैंच ने यह आदेश दिए हैं कि ऐसे पुलिसकर्मियों को थाने पर पदस्थ नहीं किया जाए। पूरा मामला शिवपुरी जिले के कोलारस थाने का है जिसमें मनीष शर्मा भी शामिल थे। मनीष शर्मा वर्तमान में राजगढ़ जिले के जीरापुर थाने में टीआई थे जिन्हें इस आदेश के बाद थाने से हटा दिया गया है। कोर्ट के आदेश के बाद एसपी शिवपुरी ने ऐसा पत्र उन तमाम जिलों में पहुंचाया है जहां तत्कालीन समय में तैनात रहे पुलिसकर्मी कार्यरत हैं। हालांकि कुछ पुलिसकर्मी सेवानिवृत्त भी हो चुके हैं। राजगढ़ एसपी ने पत्र मिलने के बाद बुधवार देर रात टीआई शर्मा को हटा दिया और लाइन भेजा है।

कार को टक्कर मारते हुए पलटा ट्रक, 1 की दर्दनाक मौत

राजगढ़। दोपहर मेट्रो

प्रदेश के राजगढ़ जिले के ब्यावरा से गुजरने वाले नेशनल हाईवे नंबर-46 के फोरलेन पर अरन्या चौकी के पास बीती रात एक भीषण सड़क हादसा हो गया। यहां एक तेज रफ्तार ट्रक करीब 40 फीट तक लहराते हुए कार को टक्कर मारकर पलटी खा गया। हादसा इतना भीषण था कि, ट्रक चालक की मौके पर ही मौत हो गई, वहीं ट्रक में सवार उसका एक साथी गंभीर रूप से घायल है।

सूचना मिलते ही पुलिस और एंबुलेंस मौके पर पहुंची और घायल को इलाज के लिए अस्पताल भिजवाया गया। इस भीषण सड़क दुर्घटना में उत्तर प्रदेश के मथुरा जिले के बदरवारा में रहने वाले 25 वर्षीय आकाश पिता कुवर पाल की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं, उसका सहायक 40 वर्षीय भीम सिंह पिता नेनसिंह गंभीर रूप से घायल हुआ है। घायल युवक को सिविल अस्पताल पहुचाया गया। बताया रहा है कि, ट्रक पहले ही अनियंत्रित हो चुका था। वहीं, कार से टकराते ही पलट गया। ये तो गनीमत रही कि, ट्रक कार पर नहीं पलटा, वरना हादसा और भी भयावह रूप धारण कर सकता था। फिलहाल, सिटी पुलिस मामले को जांच में जुट गई है। ट्रक में आरसी का माल फसल की दवाई आदि भरकर इंदौर से गाजियाबाद जा रहे थे। तभी अरन्या चौकी के पास हादसे का शिकार हो गए। पलटी खाने से ट्रक का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हुआ है। बताया जा रहा है कि, ट्रक सवार दोनों चचा-भतीजा थे, जो इंदौर से माल भरकर गाजियाबाद के लिए निकले थे। फिलहाल, भतीजा भतीजा ट्रक चला रहा था, जबकि चाचा सहायत ते तौर पर मौजूद थे। हादसे में ट्रक चाक भतीजे की मौत हो गई है।

शादी के अगले दिन प्रेमी के साथ भाग गई बहू, ससुर ने खा लिया जहर

मुरैना। दोपहर मेट्रो

प्रदेश के मुरैना में एक नई नवेली दुल्हन शादी के अलगे दिन अपने प्रेमी के साथ फरार हो गई। आरोप है कि, ससुराल वालों ने उसे तलाशने के लिए जब पुलिस के सामने गुहार लगाई तो यहां भी कार्रवाई के बजाए उन्हें बेइज्जती ही मिली। पुलिस के रवैय्ये से आहत होकर और सामाजिक शर्मिंदगी के चलते ससुर ने आत्महत्या करने के लिए जहरीला पदार्थ खा लिया।

दरअसल, एक शख्स की हाल ही में शादी हुई थी। समारोह में सबकुछ ठीक था। धूमधाम से विवाद हुआ और एक सामान्य ढंग से एक परिवार अपे बहु की विदा कराकर घर ले आया। लेकिन, अगली सुबह दूल्हा समेत पूरे परिवार के पैरों तले उस समय जमीन खिसक गई, जब उन्हें पता चला कि, जिस लड़की को बीती रात राजी खुशी विदा कराकर घर लाए हैं, वो अपने प्रेमी संग फरार हो गई। दूल्हे के घर वालों ने आरोप लगाया कि, उन्होंने इसकी शिकायत थाने में की, लेकिन पुलिस ने उनकी पीड़ा को गंभीरता से नहीं लिया। लड़की को ढूंढने के बजाए पुलिस द्वारा उनकी ही बेइज्जती की गई। लम ये है कि, बहू की तलाश के लिए वे बीते दो माह से थाने के चक्कर काट रहे हैं, लेकिन उनकी बहु का पुलिस को कहीं पता नहीं चला।

ससुराल वालों ने ये भी आरोप लगाया कि, कड़ी मशक्कत के बाद जब उन्हीं लोगों ने बहू को ढूंढा तो उसने उनके साथ जाने से इंकार कर दिया। पोरसा थाना प्रभारी पर प्रताड़ना के गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि थाने में न्याय मांगने जाने पर उन्हें बेइज्जत किया जाता था।

प्रधान डाकघर घोटाला :दूसरा आरोपी डिप्टी पोस्ट मास्टर भी गिरफ्तार, कुणाल मकवाना भी सलाखों के पीछे पहुंचा

धार। दोपहर मेट्रो

धार में स्थित प्रधान डाकघर में शासकीय योजनाओं की राशि के दुरुपयोग और वित्तीय अनियमितताओं करने वाले फरार आरोपी निलंबित डिप्टी मास्टर निर्मलसिंह पंवार को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस को सूचना मिली थी कि आरोपी निर्मलसिंह गुजरात भागने की फिराक में था, पुलिस मौके पर पहुंची व घेराबंदी करते हुए आरोपी को अरेस्ट किया गया। थाने की कार्यवाही पूरी होने के बाद आरोपी निर्मलसिंह को कोर्ट के समक्ष पेश किया गया, जहां से पूछताछ को लेकर पुलिस को तीन दिन का रिमांड मिला है। आरोपी निर्मलसिंह पंवार धार में डिप्टी पोस्ट मास्टर के रुप में पदस्थ था, हालांकि गडबडी सामने आने के बाद विभाग ने दो माह पहले ही आरोपी को निलंबित कर दिया था। आरोपियों ने फिनेकल सॉफ्टवेयर का दुरुपयोग किया गया। शासकीय योजनाओं की राशि सहित 2019 में लाड़ली लक्ष्मी योजना का जो भुगतान हो चुका था उसे फिनेल सॉफ्टेवयर से लाइव दर्शाकर धार प्रधान डाकघर में दोबारा नगद भुगतान कर लिया। इस मामले में एक आरोपी अभी तक फरार है।

पहले समझे मामला: डाक विभाग के इंदौर नगरेतर संभाग के अधीक्षक द्वारा विभागीय जांच की गई। जांच सत्य पाए जाने पर जांच का आवेदन

नौगांव थाने में प्रस्तुत किया गया। आवेदन के आधार पर नौगांव पुलिस ने प्रस्तुत आवेदन पर निलंबित डिप्टी पोस्ट मास्टर निर्मलसिंह पंवार, निलंबित पोस्ट मास्टर कुणाल मकवाना और निलंबित डाक सहायक मेपालसिंह गुडिया के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया। जांच रिपोर्ट के आधार पर आरोपियों द्वारा 1 मार्च से लेकर दिसंबर 2025 तक यह अनियमितताएं की है। वर्ष 2025 में 20 अप्रैल, 30 अगस्त, 9 अक्टूबर, 11 अक्टूबर और 16 अक्टूबर को एनएससी (नेशनल सेविंग सर्टिफिकेट) के मूल प्रमाण पत्रों का सत्यापन किया गया। जांच में पाया गया कि ये सभी प्रमाण पत्र लाड़ली लक्ष्मी योजना के अंतर्गत जारी किए गए थे। फिनेकल सॉफ्टवेयर में प्रमाण पत्रों को अनफ्रिज किया और नगद भुगतान प्राप्त किया। जांच में यह भी सामने आया कि निसरपुर उपडाकघर से वर्ष 2013 में जारी किए गए कुछ प्रमाण पत्र, जो डिस्चार्ज के बाद प्रधान डाकघर धार में सुरक्षित रखे गए थे, उन्हें अनाधिकृत रूप से ट्रांसफर कर पुनः नगद भुगतान कराया गया। करीब 3 लाख 57 हजार 21 रुपए की शासकीय राशि का दुर्विनियोजन किया गया। जांच में यह भी सामने आया कि नॉन- पीओएसबी चेक के माध्यम से जमा हुई राशि, जो फिनेकल के 0382 ऑफिस अकाउंट में क्रेडिट होती है, उसका सही समायोजन नहीं किया गया। इसके तहत एसबीआई धार में 8 लाख यूको बैंक में 5 लाख और राज्य सहाकरी बैंक इंदौर में 10 लाख कुल राशि 23 लाख का अनाधिकृत रुप से अन्य खातों में समायोजन कर गबन कर दिया गया। जांच के बाद अनियमितता पाई जाने पर डिप्टी पोस्ट मास्टर निर्मलसिंह पंवार, पोस्ट मास्टर कुणाल मकवाना और सहायक डिप्टी डाक नेपालसिंह गुडिया को निलंबित किया गया है। इस मामले में पुलिस ने 6 जनवरी को प्रकरण दर्ज किया था, आरोपियों ने 35 लाख 68 हजार रुपए का गबन किया था।

नौगांव थाना प्रभारी हिरुसिंह रावत ने बताया कि मुख्यय पोस्टकर मास्टकर कुणाल मकवाना को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया है। साथ ही एक अन्य फरार आरोपी निर्मलसिंह पंवार को अरेस्?ट किया गया है।

होने वाली ससुराल आये युवक की नृशंस हत्या!, गांव में फैली सनसनी

कटनी। दोपहर मेट्रो

रीठी थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम खम्हरिया में होने वाली ससुराल पहुंचे एक युवक की नृशंस हत्या का सनसनीखेज मामला सामने आया है। युवक बुधवार सुबह मृत अवस्था में मिला, जिससे पूरे गांव में हडक़ंप मच गया। सूचना पर रीठी पुलिस मौके पर पहुंची और जांच प्रारंभ कर दी गई है।

जानकारी के अनुसार मृतक की पहचान सुनील आदिवासी (20) निवासी पड़वार थाना विजयराघवगढ़ के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि खम्हरिया गांव में उसकी शादी होने वाली थी। इसी सिलसिले में वह मंगलवार रात ससुराल पहुंचा था, लेकिन बुधवार सुबह उसका शव संदिग्ध परिस्थितियों में मिला। ग्रामीणों ने डायल-112 पर सूचना दी कि गांव में एक युवक मृत अवस्था में पड़ा है। मौके पर पहुंचे लोगों ने बताया कि मृतक के गले और शरीर के अन्य हिस्सों पर चोट के निशान पाए गए हैं, जिससे हत्या की आशंका जताई जा रही है। घटना के बाद से युवती किसी प्रकार की जानकारी देने से बच रही है। रीठी थाना प्रभारी मोहम्मद शाहिद ने बताया कि मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है। शव को शाम करीब 4 बजे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र रीठी लाया गया, जहां बीएमओ डॉ. मृगेंद्र श्रीवास्तव ने बताया कि डॉक्टरों की टीम द्वारा पोस्टमार्टम किया जाएगा, जो अब गुरुवार को होगा। बताया गया है कि घटना के समय युवती घर पर अकेली थी, जबकि उसके परिजन मजदूरी करने बाहर गए हुए थे। पुलिस संदिग्धों से पूछताछ कर रही है और हत्या के कारणों व आरोपियों का पता लगाने में जुटी हुई है।

ट्रक की टक्कर से जीजा-साला की मौत

धार। दोपहर मेट्रो

बाग-राजगढ़ रोड पर गत दिवस एक दर्दनाक सड़क हादसे में जीजा-साला की मौत हो गई। ग्राम कदवाल के पास एक तेज रफ्तार ट्रक ने बाइक को जोरदार टक्कर मार दी हादसे में घायल एक युवक ने बाग अस्पताल में दम तोड़ा, जबकि दूसरे की मौत बड़वानी ले जाते समय रास्ते में हो गई। जानकारी के अनुसार मृतक मालसिंह पिता गजबसिंह अखाड़िया (40 वर्ष), निवासी ग्राम चिचबा लुहार फलिया और उसका साला जीवन पिता भूरसिंह (30 वर्ष), निवासी ग्राम बाकी, अपनी बाइक से टांडा की ओर जा रहे थे। शाम करीब 4 बजे ग्राम कदवाल के समीप सामने से आ रहे तेज रफ्तार ट्रक ने उन्हें अपनी चपेट में ले लिया। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि दोनों बाइक सवार गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के तुरंत अस्पताल ले जाया गया। उपचार के दौरान मालसिंह की मौत हो गई। वहीं, जीवन की गंभीर स्थिति को देखते हुए प्राथमिक उपचार के बाद उसे बड़वानी रेफर किया गया।

मेट्रो एंकर पंडित प्रदीप मिश्रा की शिव पुराण कथा, गूंजे हर हर महादेव के जयकारे

विश्व के प्रथम नवग्रह शक्तिपीठ डबरा में शिव भक्ति का महासंगम

डबरा। दोपहर मेट्रो

विश्व के प्रथम नवग्रह शक्तिपीठ, डबरा में आयोजित दिव्य प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव के अंतर्गत पूज्य पंडित श्री प्रदीप मिश्रा जी (सीहोर वाले) द्वारा शिव पुराण कथा का भव्य शुभारंभ श्रद्धा, उत्साह और आध्यात्मिक उल्लास के वातावरण में संपन्न हुआ। कथा के प्रथम दिवस पर ही श्रद्धालुओं की ऐतिहासिक भीड़ उमड़ पड़ी। निर्धारित समय से काफी पहले विशाल पंडाल खचाखच भर गया और संपूर्ण आयोजन स्थल 'हर हर महादेव' के जयघोष से गुंजायमान हो उठा।

महोत्सव का विधिवत शुभारंभ मध्यप्रदेश के पूर्व गृहमंत्री एवं वरिष्ठ भाजपा नेता डॉ. नरोत्तम मिश्रा द्वारा परिवार सहित पूजा-अर्चना के साथ किया गया। वैदिक मंत्रोच्चार, शंखनाद, नवग्रह आह्वान और कलश स्थापना के साथ विशेष अनुष्ठान संपन्न हुए। इस अवसर पर डॉ. नरोत्तम मिश्रा ने कहा कि नवग्रह शक्तिपीठ की स्थापना केवल धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि क्षेत्र की सांस्कृतिक चेतना और आध्यात्मिक पहचान को सशक्त करने का संकल्प है, जो पूरे ग्वालियर-चंबल अंचल के लिए गर्व का विषय है।

प्रथम दिवस कथा मंच पर एक दुर्लभ आध्यात्मिक संगम भी देखने को मिला। पूज्य दाती महाराज जी, देवकीनंदन ठाकुर जी एवं धूमेश्वर धाम वाले महाराज जी की गरिमामयी उपस्थिति में व्यास पीठ पर विराजमान पूज्य पंडित प्रदीप मिश्रा जी का पुष्पहार पहनाकर अभिनंदन किया गया, जिससे आयोजन की गरिमा और बढ़ गई। अपने ओजस्वी प्रवचन में पंडित प्रदीप मिश्रा जी ने भगवान शिव की महिमा, भक्ति की शक्ति और जीवन में श्रद्धा के महत्व को सरल एवं प्रभावशाली उदाहरणों के माध्यम से समझाया। उन्होंने कहा कि शिव केवल आराध्य नहीं, बल्कि सृष्टि का आधार हैं और शिव उपासना से जीवन में संतुलन, शांति और कल्याण का मार्ग प्रशस्त होता है। नवग्रहों के आध्यात्मिक प्रभाव और कर्म से उनके संबंध पर दिए गए उनके विचारों से श्रद्धालु भाव-विभोर हो उठे।प्रथम दिवस पर ही आयोजन ने ऐतिहासिक स्वरूप ग्रहण कर लिया। डबरा सहित आसपास के जिलों से हजारों श्रद्धालु कथा श्रवण हेतु पहुंचे। महिलाओं की विशेष भागीदारी और पारंपरिक वेशभूषा ने आयोजन की भव्यता को और बढ़ाया। पंडाल में अनुशासन और श्रद्धा का अद्भुत दृश्य देखने को मिला। आयोजन समिति द्वारा श्रद्धालुओं की सुविधा हेतु व्यापक व्यवस्थाएं की गई हैं। प्रशासन और स्वयंसेवकों के सहयोग से कार्यक्रम शांतिपूर्ण और सुव्यवस्थित रूप से संचालित हो रहा है। नवग्रह शक्तिपीठ में आयोजित यह प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव न केवल धार्मिक, बल्कि सामाजिक और सांस्कृतिक समरसता का भी सशक्त संदेश दे रहा है। आने वाले दिनों में डबरा एक भव्य आध्यात्मिक धाम के रूप में देशभर में अपनी विशेष पहचान स्थापित करता नजर आ रहा है।

सनातन को आगे बढ़ाने के लिए डॉ नरोत्तम मिश्रा ने जो कार्य किया है वह अद्भुत : देवकीनंदन महाराज

डबरा नवग्रह शक्तिपीठ के प्राणप्रतिष्ठा के दस दिवसीय समारोह के पहले दिन पंडित प्रदीप मिश्रा की शिवपुराण कथा में पधारे कथा वाचक देवकी नंदन महाराज मीडिया से चर्चा करते हुए कहा कि डॉ नरोत्तम मिश्रा ने डबरा में भव्य,दिव्य आयोजन कराया है। सनातन को आगे बढ़ाने के लिए मंदिर,पुराण,प्रचारकों की आवश्यकता होती है सनातन धर्म को आगे बढ़ाने के लिए डॉ मिश्रा ने डबरा की धरती पर जो कार्य किया है वह अद्भुत,विलक्षण है जिन्हें शब्दों में बयान नहीं किया जा सकता है।

पाकिस्तानियों को शर्म आनी चाहिए, भारत से मैच के पहले ही रोने लगे सकलैन मुश्ताक

पिच को लेकर आईसीसी पर उछाली कीचड़, कहा- यह हो सकती है चेंज

नई दिल्ली , एजेंसी

आईसीसी टी20 वर्ल्ड कप 2026 में भारत और पाकिस्तान का महामुकाबला 15 फरवरी को कोलंबो के आर प्रेमदासा स्टेडियम पर खेला जाएगा। बता दें कि पहले पाकिस्तानी सरकार ने भारत से होने वाले इस मैच का बॉयकॉट किया था। उन्होंने बांग्लादेश के समर्थन करते हुए ऐसा किया था। हालांकि पाकिस्तान ने फिर गजब यू टर्न मारा और अब वे भारत के साथ खेलने के लिए राजी हैं। भारत-पाक के मैच से पहले ही पाकिस्तान के पूर्व स्पिनर सकलैन मुश्ताक ने विवादित बयान दे दिया है। यह बयान भारतीय फैंस को नाराज भी कर सकता है।

पाकिस्तान के एक शो पर जब होस्ट सकलैन मुश्ताक से भारत और पाकिस्तान के

बीच होने वाली पिच को लेकर पूछते हैं तो मुश्ताक बड़ा अजीबोगरीब जवाब देते हैं। वो कहते हैं, जिस तरह की टेक्लनोलॉजी है, जिस तरह के मॉर्डन डे ग्राउंड्समैन हैं, यह चेंज हो सकती है। आईसीसी जो है वो किसके प्रभाव में है यह हमें पता है। पाकिस्तान ने हालांकि टी20 वर्ल्ड कप 2026 में अच्छी शुरुआत की है। नीदरलैंड्स और अमेरिका के खिलाफ खेले गए अपने दोनों मैचों को पाकिस्तान ने जीता है। बता दें कि 2021 में सिर्फ एक बार पाकिस्तान ने भारत को टी20 वर्ल्ड कप में हराया है। भारत से आखिरी मैच भी पाकिस्तान ने 2022 में जीता था। ऐसे में आगमी मुकाबले में भी टीम इंडिया ही फेवरेट है।

एशिया कप 2025 में भारत ने किया था शर्मसार

2025 के एशिया कप में भारत ने पाकिस्तान को जलील कर दिया था। एक नहीं दो नहीं बल्कि फाइनल समेत भारत ने पाकिस्तान को तीन बार हराया था। पाकिस्तान ने एशिया कप में भी हैंडशेक न करने को लेकर काफी ज्यादा विवाद करा था। भारत ने एशियन क्रिकेट काउंसिल के चेयरमैन और पीसीबी के अध्यक्ष मोहसिन नकवी से एशिया कप जीतने के बाद ट्रॉफी लेने से मना कर दिया था। ऐसे में नकवी ट्रॉफी अपने साथ ले गए थे।

टी-20 वर्ल्ड कप: भारत का दूसरा मैच आज नामीबिया से

बीमार अभिषेक शर्मा को रिप्लेस कर सकते हैं सैमसन, जसप्रीत बुमराह भी वापसी करेंगे

नई दिल्ली , एजेंसी

टी-20 वर्ल्ड कप के 18वें मुकाबले में आज मेजबान भारत के सामने नामीबिया की चुनौती है। दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में मुकाबला शाम 7 बजे से शुरू होना है, जिसका टॉस 6.30 बजे होगा।

भारत ने पहले मैच में अमेरिका को हराया था, वहीं नामीबिया को नीदरलैंड से हार का सामना करना पड़ा। आज का मैच जीतकर टीम इंडिया ग्रुप-ए के पॉइंट्स टेबल में टॉप पर पहुंच सकती है। वहीं नामीबिया के पास भी जीत के साथ नंबर-2 पर पहुंचने का मौका है। पाकिस्तान 4 पॉइंट्स के साथ नंबर-1 पर है। श्रीलंका को हरा चुका है नामीबिया नामीबिया ने टी-20 वर्ल्ड कप में 16 मुकाबले खेले हैं। 4 में टीम को जीत और 11 में हार मिली। एक मैच टाई भी रहा। 2022 में टीम श्रीलंका को भी हरा चुकी है। वर्ल्ड कप में नामीबिया ने एक बार भारत का सामना भी किया, लेकिन 2021 में टीम को हार मिली थी।

कप्तान सूर्या फॉर्म में, अभिषेक बीमार

नामीबिया के खिलाफ मैच से पहले भारत को बड़ा झटका लगा। ओपनर अभिषेक शर्मा बीमार हैं, उनका आज के मैच में खेलना मुश्किल है। अभिषेक की जगह विकेटकीपर संजू सैमसन को मौका मिल सकता है, उनके साथ ईशान किशन ओपनिंग करते नजर आएंगे। वहीं कप्तान सूर्यकुमार यादव अमेरिका के खिलाफ 84 रन बनाकर अपना फॉर्म साबित कर चुके हैं। यूएसए के खिलाफ मोहम्मद सिराज ने नई गेंद से बेहतरीन गेंदबाजी करते हुए मुकाबले में 3 विकेट अपने नाम किए थे। तब अर्शदीप सिंह को 2 विकेट मिले थे। तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह इंजरी से रिकवर होने के बाद आज वापसी करेंगे। ऐसे में अर्शदीप या सिराज में से किसी एक गेंदबाज को बेंच पर बैठना पड़ सकता है।

नामीबिया पहला मैच जीत नहीं सकी

नामीबिया को अपने पहले मुकाबले में नीदरलैंड के खिलाफ 7 विकेट से हार का सामना करना पड़ा था। टीम आज भी हार गई तो उनका सुपर-8 में एंट्री करना मुश्किल हो जाएगा। पहले मुकाबले में नामीबिया के लिए जैन निकोल लोफ्टी-ईटन ने 42 रन बनाए थे।

दोनों टीमों की पॉसिबल प्लेइंग-11 भारत: संजू सैमसन, ईशान किशन (विकेटकीपर), तिलक वर्मा, सूर्यकुमार यादव (कप्तान), हार्दिक पंड्या, शिवम दुबे, अक्षर पटेल, वरुण च वर्ती, अर्शदीप सिंह/मोहम्मद सिराज और जसप्रीत बुमराह।

नामीबिया: लौरेन स्टीनकैंप, जैन फायलिंक, जैन निकोल लॉफ्टी-ईटन, जेरार्ड इरास्मस (कप्तान), जेजे स्मिट, जैन ग्रीन (विकेटकीपर), डायलन लीचर, रूबन ट्रम्पलमैन, विलेम मायबर्ग, बर्नार्ड शोल्ट्ज और मैक्स हिंगो।

विवाद से बांग्लादेश की अंतरिम सरकार ने झाड़ा पल्ला

अब पूरा ठीकरा बीसीबी और खिलाड़ियों पर फोड़ा

नई दिल्ली , एजेंसी

टी20 विश्व कप 2026 से पहले बांग्लादेश को लेकर छिड़े विवाद के बीच बड़ा यू-टर्न सामने आया है। देश की अंतरिम सरकार के खेल सलाहकार आसिफ नजरुल ने अब साफ कहा है कि भारत नहीं जाने का फैसला सरकार का नहीं, बल्कि बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) और खिलाड़ियों का था। मंगलवार को मीडिया से बात करते हुए नजरुल ने कहा, इसमें पछतावे का कोई सवाल नहीं है। यह फैसला बीसीबी और खिलाड़ियों ने देश की क्रिकेट, लोगों की सुरक्षा और राष्ट्रीय गरिमा की रक्षा के लिए लिया था।

नजरुल का यह बयान उनके पहले दिए गए बयानों से बिल्कुल उलट है। टी20 विश्व कप में बांग्लादेश के न खेलने को लेकर जब गतिरोध चल रहा था, तब नजरुल कई बार सार्वजनिक रूप से कह चुके थे कि टीम को भारत न भेजने का निर्णय सरकार का है और बीसीबी ने सिर्फ सरकारी निर्देशों का पालन किया है। यही नहीं, 4 जनवरी को बीसीबी की आधिकारिक घोषणा से पहले ही नजरुल ने बयान दे दिया था कि बांग्लादेश भारत में अपने विश्व कप मुकाबले खेलने को तैयार नहीं है। यह फैसला उस विवाद के बाद आया था, जब बीसीसीआई ने कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) को आईपीएल 2026 से मुस्तफिजुर रहमान को हटाने का निर्देश दिया था। नजरुल ने आईसीसी के साथ बातचीत में भी सक्रिय भूमिका निभाई थी और खिलाड़ियों के साथ बैठक कर उन्हें अंतिम निर्णय की जानकारी दी थी। इसके तुरंत बाद आईसीसी ने घोषणा की कि टी20 वर्ल्ड कप में बांग्लादेश की जगह स्कॉटलैंड खेलेगा।

आईसीसी ने बीसीबी पर किया कार्रवाई से इनकार

हाल ही में आईसीसी ने साफ किया कि बांग्लादेश पर गैर-भागीदारी के लिए कोई प्रतिबंध नहीं लगाया जाएगा और 2028-31 के बीच एक आईसीसी इवेंट की मेजबानी भी उसे दी जाएगी। लाहौर में हुई बैठक में पीसीबी और आईसीसी के साथ बातचीत के बाद यह फैसला हुआ, जिसमें बीसीबी अध्यक्ष अमीनुल इस्लाम भी मौजूद थे। नजरुल ने इसे बड़ी कूटनीतिक सफलता बताते हुए बीसीबी की सराहना की।

मनोरंजन | **बॉलीवुड का कोना**

लाईव शो रोक जैस्मिन ने मनचलों को फटकारा, कहा-

नहीं गाऊंगी जब तक लड़कियां सेफ नहीं

लाईव शोज में अक्सर कुछ ऐसी भद्दी घटनाएं होती हैं, जिनका पता बाद में चलता है। लेकिन इस बार सिंगर जैस्मिन सैंडलस की अलर्टनेस ने कुछ गलत होने से पहले ही इसे रोक दिया। उनके हाल ही में दिल्ली में हुए कॉन्सर्ट का एक वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है, जहां वो कुछ मनचले बदमाशों को स्टेज से ही फटकार लगाती दिखीं। सिंगर जैस्मिन सैंडलस 'तरस', 'यार ना मिले' और 'इलीगल वेपन 2.0' जैसे गानों के लिए जानी जाती हैं। हाल ही में रणवीर सिंह की फिल्म 'धुरंधर' के गाने 'शरारत' से दिल जीतने वाली जैस्मिन ने अपना लाइव शो बीच में ही रोक दिया, क्योंकि उन्होंने देखा कि कुछ लड़के कॉन्सर्ट में आई लड़कियों को परेशान कर रहे थे। वायरल वीडियो में जैस्मिन अचानक गाना रोक देती हैं। वो म्यूजिक बैंड से भी रुकने का इशारा करती हैं। और फिर सिक्योरिटी से कहती सुनाई देती हैं- सिक्योरिटी, प्लीज इन दो लड़कों को बाहर निकालिए। ये लड़कियों को परेशान कर रहे हैं। इसके बाद उन्होंने जो कहा, उसने सबका दिल जीत लिया। उन्होंने पंजाबी में कहा- तब तक नहीं गाऊंगी जब तक लड़कियां सेफ नहीं फील करतीं। अगर मेरे कॉन्सर्ट में लड़कियां सुरक्षित महसूस नहीं करेंगी, तो मैं परफॉर्म करके क्या करूंगी।

सिंगर की फैन हुई जनता

जैस्मिन की ये बातें सुनकर वहां मौजूद जनता जबरदस्त हूटिंग करती नजर आई. फिर जैसे ही ये वीडियो सोशल मीडिया पर आया, लोग उनकी तारीफ करने लगे. एक यूजर ने लिखा- सही है, ऐसा ही स्टैंड लेना चाहिए. दूसरे ने लिखा- असली क्वीन वही है जो अपने लोगों की रक्षा करे. कई और लोगों ने कहा- जैस्मिन ने एग्जाम्पल सेट कर दिया. उन्होंने दिखा दिया कि स्टेज से गाते हुए भी लोगों की ध्यान रखा जा सकता है. इस कॉन्सर्ट में जैस्मिन के साथ आयशा खान भी थीं, जो 'शरारत' गाने में क्रिस्टल डिसूजा के साथ नजर आई थीं. दोनों ने मिलकर स्टेज पर शानदार परफॉर्मेंस दी. एक वीडियो में आयशा हंसते हुए कहती दिखीं- मैं स्टेज पर आकर सारे स्टेप्स भूल गई. यहां आकर बहुत अच्छा लग रहा है. मैं हमेशा जैस्मिन से कहती हूं, वो भगवान की बच्ची है.

कुमार सानू का बेटा है अयान? यूजर के भद्दे पोस्ट पर भड़कीं कुनिका ने लगाई फटकार

बिग बॉस 19 खत्म होने के बाद भी घरवालों के झगड़े बंद होने का नाम नहीं ले रहे हैं। बीते दिनों तान्या मित्तल ने एक पॉडकास्ट में सभी बिग बॉस कंटेस्टेंट्स को लेकर बयानबाजी की थी। इससे गुस्साईं कुनिका ने उनकी आलोचना की। फिर क्या था... तान्या के फैंस कुनिका के पीछे पड़ गए और उन्हें ट्रोल करने लगे। एक यूजर ने तो हद ही पार कर दी।

शख्स ने कुनिका और उनके बेटे अयान को लेकर X पर भद्दा कमेंट किया। पोस्ट लिखकर अयान को कुमार सानू का बेटा बताने की कोशिश की। ये देखकर कुनिका का पारा चढ़ गया। एक्ट्रेस ने तुरंत इसका मुंहतोड़ जवाब दिया। यूजर ने कुमार सानू और अयान की कोलाज फोटो शेयर कर उनके लुक्स को मैच किया। बताया कि दोनों की फुल शेप्ड आईब्रो है, एक जैसी आंखें, नाक की बनावट सेम है और उनके घने काले बाल हैं। उनकी एक जैसी स्किन टोन और जॉलाइन है। यूजर ने लिखा- मैं इसे कैसे बताऊं? हम सभी ने इसे महसूस किया है। हमने कुनिका को देखा है। उन्हें सुना है। हमने उन्हें तान्या मित्तल से अपने और कुमार सानू को लेकर बात करते हुए सुना है।

कैसे उन्होंने कुमार सानू का घर तोड़ा। लेकिन मुझे लगता है कुनिका एक बड़ी और अहम डिटेल को शेयर करना भूल गईं। कुनिका तभी सच बताना था ना। इस पोस्ट का जवाब देते हुए एक्ट्रेस ने लिखा- तो अब चीजें हाथ से निकल रही हैं। मेरे फैमिली मेंबर्स और दूसरे शख्स को इसमें शामिल करना, जिसके पर्सनैलिटी राइट्स हैं। मैं इस बदबूदार मुंह वाले को नहीं छोड़ूंगी। मैडम चतुर्वेदी, इंतजार करो और देखो।

मेट्रो बाजार

ट्रेड डली पर बैंक ऑफ अमेरिका का बड़ा दावा, कहा- प्रभावी टैरिफ महज 13% रहने का अनुमान

नई दिल्ली। भारत और अमेरिका के बीच प्रस्तावित ट्रेड डील से भारतीय निर्यातकों को बड़ी राहत मिलने की उम्मीद है। बैंक ऑफ अमेरिका (बोफा) ग्लोबल रिसर्च की एक रिपोर्ट के मुताबिक, अगर रेसिप्रोकल टैरिफ की दर 18 प्रतिशत पर बरकरार रहती है, तो भारतीय निर्यात पर प्रभावी टैरिफ घटकर 12-13 प्रतिशत तक आ सकता है। रिपोर्ट में बताया गया है कि अमेरिका को होने वाले भारतीय निर्यात में इलेक्ट्रॉनिक्स की हिस्सेदारी 40-45 प्रतिशत है, जिस पर फिलहाल जीरो टैरिफ लागू है। हालांकि, अमेरिका के सेक्शन 232 प्रावधान के तहत लगने वाले शुल्क को जोड़ने पर प्रभावी टैरिफ दर 12 प्रतिशत से कुछ ऊपर रह सकती है। पहले चरण की डील में सेक्शन 232 के तहत लगने वाले टैरिफ पर कोई स्पष्टता नहीं दी गई है। ऐसे में भारतीय ऑटोमोबाइल, ऑटो कंपोनेंट्स, लोहा, स्टील और एल्युमिनियम पर करीब 25 प्रतिशत टैरिफ जारी रह सकता है। रिपोर्ट के अनुसार, इस ट्रेड डील से श्रम-प्रधान क्षेत्रों को खास फायदा मिलने की उम्मीद है। टेक्सटाइल, रत्न और आभूषण जैसे सेक्टर निर्यात में बढ़त दर्ज कर सकते हैं। बोफा ने यह भी कहा है कि भारत द्वारा अगले पांच वर्षों में अमेरिका से 500 अरब डॉलर का सामान खरीदने का लक्ष्य रखा गया है, जो सालाना करीब 100 अरब डॉलर के आयात के बराबर है। वर्तमान में भारत का कुल आयात बिल लगभग 750 अरब डॉलर है।

बाजार का नया बाजीगर: टाटा की कंपनी को पछाड़ एसबीआई बनी देश की चौथी सबसे बड़ी कंपनी

नई दिल्ली। भारतीय शेयर बाजार में बुधवार को एक बड़ा उलटफेर देखने को मिला। देश के सबसे बड़े सरकारी बैंक, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया ने मार्केट कैप यानी बाजार पूंजीकरण के मामले में दिग्गज आईटी कंपनी टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज यानी टीसीएस को पछाड़ दिया है। शानदार तिमाही नतीजों के दम पर देश के सबसे बड़े सरकारी बैंक के शेयरों में आई तेजी ने उसे अब रिलायंस, एचडीएफसी बैंक और भारती एयरटेल के बाद देश की चौथी सबसे मूल्यवान लिस्टेड कंपनी बना दिया है। बुधवार के कारोबारी सत्र के अंत में आए आंकड़ों ने बाजार विश्लेषकों का ध्यान खींचा। बीएसई पर एसबीआई का शेयर 3.40 प्रतिशत चढ़कर 1,183 रुपये प्रति शेयर पर बंद हुआ, जबकि एनएसई पर यह 3.23 प्रतिशत की बढ़त के साथ 1,181.10 रुपये पर बंद हुआ। दिन के कारोबार के दौरान बैंक के शेयरों में निवेशकों का जबरदस्त उत्साह देखा गया और यह लगभग चार प्रतिशत तक उछलकर अपने 52 हफ्तों के नए उच्चतम स्तर 1,187.70 रुपये पर पहुंच गया। इस उछाल का सीधा असर कंपनी के कुल मूल्यांकन पर पड़ा। सत्र के अंत में एसबीआई का मार्केट कैप 10,91,982.06 करोड़ रुपये दर्ज किया गया। इसके ठीक उलट, टीसीएस के शेयरों में 2.5 प्रतिशत की गिरावट आई और उसका मार्केट कैप घटकर 10,52,646.38 करोड़ रुपये रह गया। इस तरह सरकारी बैंक ने आईटी क्षेत्र की दिग्गज कंपनी के मूल्यांकन को पीछे धकेल दिया। इस ताजा फेरबदल के बाद भारतीय शेयर बाजार की शीर्ष कंपनियों की तस्वीर बदल गई है। मार्केट कैप के लिहाज से रिलायंस इंडस्ट्रीज अब भी देश की सबसे मूल्यवान कंपनी बनी हुई है।

दिल्ली और मेरठ की दूरी अब तय होगी मिनटों में

पीएम मोदी 22 फरवरी को नमो भारत और मेरठ मेट्रो का करेंगे उद्घाटन

मेरठ। इंतजार की घड़ी खत्म होने वाली है। बहुप्रतीक्षित नमो भारत ट्रेन और मेरठ मेट्रो को हरी झंडी मिलने जा रही है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 22 फरवरी को दोनों ट्रेनों को हरी झंडी दिखाएंगे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी मौजूद रहेंगे। इसके साथ ही प्रधानमंत्री रैली को भी संबोधित करेंगे, जिसके लिए मोहिउद्दीनपुर में उस स्थल का चयन किया गया है जहां पर पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी को समर्पित न्यू टाउनशिप विकसित की जानी है।

प्रधानमंत्री के कार्यक्रम को लेकर एनसीआरटीसी के प्रबंध निदेशक शलभ गोयल, डीएम विजय कुमार सिंह, एसएसपी अविनाश पांडेय, नगर आयुक्त सौरभ गंगवार, मेरठ विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष संजय मीना ने बुधवार को मेरठ साउथ स्टेशन से लेकर शताब्दी नगर स्टेशन व प्रस्तावित जनसभा स्थल की व्यवस्था परखी। वर्तमान में मेरठ के मेरठ साउथ (भूड़बराल) से दिल्ली के न्यू अशोक नगर स्टेशन तक नमो भारत की सेवा जारी है। वर्तमान में इस हिस्से पर औसतन 60 हजार लोग प्रतिदिन यात्रा करते हैं, जिसका शुभारंभ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अलग-अलग समय पर दो चरणों में कर चुके हैं। अब दिल्ली के सराय काले खां और मेरठ के बाकी तीनों स्टेशनों (शताब्दीनगर, बेगमपुल व मोदीपुरम) पर यानी पूरे कारिडोर पर नमो भारत की सेवा शुरू होनी है। वहीं इसी पटरी पर मेरठ में मेरठ साउथ स्टेशन से मोदीपुरम डिपो स्टेशन तक मेट्रो भी दौड़ेगी। इसका भी शुभारंभ इसी के साथ होगा। मेट्रो सभी 13 स्टेशनों पर रुकेगी। कुल 82 किमी लंबे कारिडोर में 23 किमी कारिडोर हिस्से पर मेरठ में मेट्रो भी दौड़ेगी। नमो भारत की अधिकतम संचालन गति 160 किमी प्रति घंटा है वहीं मेरठ मेट्रो की अधिकतम गति 120 किमी प्रति घंटा है।

न्यूज विंडो

मुंबई: 18 मंजिला इमारत की लिफ्ट गिरी, 5 लोग घायल

मुंबई। मुंबई के भायखला में बुधवार रात 18 मंजिला बिल्डिंग की लिफ्ट गिर गई। लिफ्ट गिरने से पांच लोग घायल हो गए। यह हादसा लिफ्त का केबल फेल होने की वजह से हुआ।दरअसल, यह घटना घोडापदेव क्रॉस लेन नंबर एक पर स्थित जय कृपा टॉवर में रात करीब 10 बजे हुई। जहां, जय कृपा टॉवर में रात करीब 10 बजे लिफ्ट चौथी मंजिल से अचानक नीचे गिरी। इस घटना के बाद वहां अफरा-तफरी मच गई। घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर मुंबई फायर ब्रिगेड, पुलिस, एम्बुलेंस और क्वेस्ट वार्ड स्टाफ पहुं गए और लोगों को लिफ्ट से बाहर निकाला गया। लिफ्ट में मौजूद पांच लोग घायल हो गए। सभी घायलों का अस्पताल में इलाज जारी है। मुंबई के भायखला के घोडापदेव क्रॉस लेन नंबर एक पर स्थित जय कृपा टॉवर में यह घटना हुई। जब 18 मंजिला इमारत की लिफ्ट चौथी मंजिल से अचानक नीचे आ गिरी। बताया जा रहा है यह हादसा लिफ्ट का केबल टूटने के कारण हुआ।

इंदौर में युवक की गला रेतकर हत्या, एमआर-4 पर मिली लाश

इंदौर। इंदौर में एमआर-4 स्थित सुनसान इलाके में खोजराम पिता लखन नारंगे(40 वर्ष) की लाश मिली है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार उसकी गला रेतकर हत्या की गई है। वह मूलतः छत्तीसगढ़ का रहने वाला बताया जा रहा है और शहर में मजदूरी का काम करता था। सूचना मिलने के बाद बाणगंगा पुलिस और एफएलएल टीम मौके पर पहुंची और जांच के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। पूछताछ में यह भी सामने आया है कि वह अपने साथियों के साथ काम से वापस लौटा था और फिर सभी ने साथ बैठकर शराब पी। इसके बाद सभी अपने-अपने घर चले गए थे। पुलिस अवैध संबंधों के एंगल से भी जांच कर रही है। पुलिस इलाके में आसपास लगे सीसीटीवी कैमरे और खोजराम के मोबाइल से भी जानकारी निकाल रही है कि उसने आखिरी बार किससे बात की थी। इसी के साथ उसके परिजनों और जहां वह काम करता था वहां भी पूछताछ कर पता लगाने की तैयारी है कि उसका किसी से विवाद तो नहीं था। युवक की लाश मिलने के बाद उसके परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

पहाड़ों में बारिश-बर्फबारी, मैदानी इलाकों में गर्मी का एहसास

नई दिल्ली। दिल्ली एनसीआर समेत देश के अधिकतर हिस्सों से ठंड गायब सी हो गई है। दोपहर में गर्मी का एहसास हो रहा है। रात के समय भी पारा ज्यादा नहीं गिर रहा है। मौसम विभाग ने बताया है कि अगले पांच दिनों में पूरे उत्तर भारत में धीरे-धीरे करके 2-3 डिग्री तक तापमान और बढ़ सकता है। इससे साफ है कि इस सप्ताह ठंड का असर न के बराबर देखने को मिलेगा। हालांकि, 16-17 फरवरी को पश्चिमी विक्षोभ के असर से पंजाब और हरियाणा में हल्की बारिश हो सकती है। इसके असर से तापमान में थोड़ी गिरावट आ सकती है।पश्चिमी विक्षोभ के असर से पहाड़ों में बर्फबारी जारी है, लेकिन इसका असर खत्म होने के बाद बर्फ पिघलेगी। इस दौरान ठंडी हवाएं चल सकती हैं और उत्तर-मध्य भारत में तापमान में गिरावट आ सकती है।

कट्टरपंथी जमात भी बहुत पीछे नहीं, हिंदू वोटों के बिना सरकार नहीं

25 साल बाद बीएनपी सरकार के आसार, लेकिन बहुमत नहीं!

ढाका, एजेंसी

बांग्लादेश में आज चुनाव के दिन राजधानी ढाका करीब-करीब खाली है। सड़कों पर ट्रैफिक न के बराबर है। देशभर से बड़ी तादाद में लोग काम के लिए ढाका आते हैं। वे आज होने वाली वोटिंग के लिए लौट आए हैं। अंतरिम सरकार ने सरकारी कर्मचारियों को 3 दिन की छुट्टी दे दी है। प्राइवेट वर्कर्स को 4 दिन की छुट्टी दी गई है। ट्रेनें खचाखच भरी हैं। लोग छतों पर बैठकर सफर कर रहे हैं। बांग्लादेश में दो दिन पहले चुनावी प्रचार खत्म हो चुका है। इस बार पूर्व PM खालिदा जिया की पार्टी बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी यानी BNP सरकार बनाने की रेस में सबसे आगे है। पार्टी ने पिछली बार 2001 में सरकार बनाई थी।

एक्सपर्ट्स के मुताबिक, BNP को कुल 300 में से 130-140 सीटें मिल सकती हैं। दूसरे नंबर पर जमात-ए-इस्लामी का गठबंधन है, जिसे 90 से 100 सीटें मिलने के आसार हैं। लगातार 4 बार से चुनाव जीत रही शेख हसीना की पार्टी अवामी लीग इस बार मैदान में नहीं है।

9 घंटे वोटिंग, 13 फरवरी की सुबह तक रिजल्ट: चुनाव के लिए वोटिंग आज सुबह 7:30 बजे शुरू हो गई है जो शाम 4:30 बजे तक चलेगी। इसके बाद काउंटिंग शुरू हो जाएगी। बांग्लादेश में बैलेट पेपर से ही चुनाव होता है। इसलिए वोटों की गिनती में ज्यादा वक्त लगता है।

बांग्लादेश इलेक्शन कमीशन के मुताबिक, 300 सीटों पर वोटिंग के लिए 64 जिलों में 42,761 पोलिंग बूथ बनाए गए हैं। बांग्लादेश में करीब 12.7 करोड़ वोटर हैं। पहली बार डाक से वोट देने की सुविधा दी गई है। इसका फायदा करीब 1.5 करोड़ वोटर्स को होगा, जो काम के लिए घर से दूर चले गए हैं। 350 सीटों वाली संसद में 300 सांसदों के लिए चुनाव होता है। बाकी 50 सीटें महिलाओं के लिए रिजर्व हैं। रिजर्व सीटें चुनाव के नतीजों के हिसाब से मिलती हैं, जैसे अगर क्वहक्को 120 सीटें मिलती हैं, तो उसे महिलाओं के लिए रिजर्व 20 सीटें मिलेंगी।

अवामी लीग के न होने से BNP को फायदा

बांग्लादेश में करीब 10% हिंदू आबादी हैं। हिंदू वोटर अवामी लीग के वोटर रहे हैं। अवामी लीग ने 2024 के चुनाव में 272 सीटें जीती थीं। उसे 30 से 40% वोट मिलते रहे हैं। इस बार ये वोट बैंक किसके हिस्से में जाएगा, यही सवाल है। अवामी लीग के चुनाव लड़ने पर प्रतिबंध का फायदा BNP को होता दिख रहा है। हिंदू वोटर जमात से दूरी बनाते दिख रहे हैं क्योंकि जमात का नाम अल्पसंख्यकों पर हमले में आता रहा है। ऐसे में उनका झुकाव BNP की ओर दिख रहा है। ढाका के ढाकेश्वरी मंदिर में मिले डॉ. सुनीरमल रॉय कहते हैं, 'हमें पता है कि जमात-ए-इस्लामी इस्लामिक पार्टी है। BNP लोकतांत्रिक पार्टी है।'

कानपुर लैंबोर्गिनी केस

आरोपी शिवम मिश्रा हुआ गिरफ्तार, कोर्ट में पेश

कानपुर। लैंबोर्गिनी कार से हुए हादसे के आरोपी शिवम मिश्रा को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है और उसकी कोर्ट में पेशी होगी। इस केस में बुधवार को तब बड़ा यूटर्न आया था जब तंबाकू कारोबारी केके मिश्रा के कथित ड्राइवर ने कानपुर कोर्ट में सरेंडर कर दिया था। हालांकि, कोर्ट ने ड्राइवर की अर्जी खारिज कर दी थी और उसे आरोपी नहीं माना था। कोर्ट का कहना था कि पुलिस रिपोर्ट में आरोपी शिवम है, मोहन नहीं। इस बारे में कोर्ट ने ये भी कहा था कि लैंबोर्गिनी कार अभी थाने में ही रहेगी।

इससे पहले ड्राइवर जिसका नाम मोहन है, वह बुधवार को अपने वकील नरेंद्र कुमार यादव के साथ कोर्ट पहुंचा था और उसने कहा कि शिवम मिश्रा की गाड़ी मैं ही चला रहा था। उसने बताया कि शिवम को दौरा पड़ गया था और उस वक्त मैं घबरा गया था और मुझे कुछ समझ में नहीं आया था और ये हादसा हो गया।

ओवैसी को आया गुस्सा: टैरिफ पर ट्रंप को लिया आड़े हाथ

भारत को बताने वाला गोरी चमड़ी वाला कौन?

नई दिल्ली। लोकसभा में एआईएमआईएम प्रमुख और लोकसभा सांसद असदुद्दीन ओवैसी का रूसी तेल खरीद को लेकर अमेरिका की चेतावनी और डोनाल्ड ट्रंप की नीतियों पर सवाल खड़े करना भी खूब चर्चा में रहा। ओवैसी ने इसे इसे भारत की संप्रभुता का अपमान बताते हुए सरकार की चुप्पी पर भी सवाल उठाए।

दरअसल, अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर किए हैं, जिसके तहत अगर भारत सीधे या परोक्ष रूप से रूस से तेल खरीदता है तो उस पर 25 प्रतिशत आयात शुल्क लगाया जाएगा। इसी मुद्दे पर लोकसभा में बोलते हुए ओवैसी ने ट्रंप को आड़े हथ लिया।

ओवैसी ने तीखे अंदाज में पूछा कि ये कौन गोरी चमड़ी वाला है, जो वहां बैठकर हमें हुकुम देगा? हमारा जिससे मन करेगा उससे तेल खरीदेंगे, वो कई नहीं होते हमें बताने वाले।

रूस से तेल खरीद पर क्या बोले ओवैसी?: लोकसभा में चर्चा के दौरान ओवैसी ने कहा कि दुर्भाग्य है कि अभी तक भारत सरकार इस पर चुप है? कोई भी विदेशी नेता यह तय नहीं कर सकता कि भारत किस देश से तेल खरीदेगा। उन्होंने कहा कि देश ने आजादी इसलिए नहीं पाई थी कि कोई दूसरा देश बैठकर यह निर्देश दे कि भारत क्या खरीदे और क्या नहीं?

हल्द्वानी : युवक-युवती की पत्थर से कुचलकर हत्या

हल्द्वानी। हल्द्वानी के बरेली रोड स्थित नवीन मंडी की गल्ला मंडी में डबल मर्डर की घटना सामने आई है। एक युवक और एक युवती की पत्थर से कुचलकर हत्या कर दी गई। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंच गए और जांच शुरू कर दी गई है।

गुरुवार सुबह मंडी में मिली दो लाशें मिलने से हड़कंप मच गया। युवक-युवती की निर्मम तरीके से हत्या की गई। मौके से लड़के की दो आईडी बरामद हुई हैं। बताया जा रहा है कि युवक चंपावत का रहने वाला है। पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है। दोहरे हत्याकांड से इलाके में दहशत का माहौल है।

सोशल मीडिया पर बड़ी कार्रवाई

रूस ने व्हाट्सएप, यूट्यूब और इंस्टाग्राम पर लगाई रोक

मास्को

रूस में कई प्रमुख अंतरराष्ट्रीय डिजिटल प्लेटफॉर्म तक पहुंच अचानक बंद हो गई है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, व्हाट्सएप, यूट्यूब, इंस्टाग्राम और फेसबुक जैसे लोकप्रिय प्लेटफॉर्म अब देश के भीतर काम नहीं कर रहे हैं। बताया जा रहा है कि इन वेबसाइट्स के डोमेन नाम रूस के राष्ट्रीय डोमेन नेम सिस्टम (ष्ठह्रस्) से हटा दिए गए हैं।

इससे पहले रूस में कुछ प्लेटफॉर्म की स्पीड धीमी कर दी जाती थी, लेकिन इस बार स्थिति अलग है। मौजूदा कदम के तहत ये वेबसाइटें पूरी तरह 'अदृश्य' हो गई हैं। जब कोई यूजर इन साइट्स को खोलने की कोशिश करता है तो सिस्टम संबंधित ढ्ढक्कएड्रेस खोज नहीं पाता। नतीजतन स्क्रीन पर एरर मैसेज दिखाई देता है कि ऐसा डोमेन मौजूद ही नहीं है।

मीडिया वेबसाइट्स भी प्रभावित: रिपोर्ट्स के अनुसार, सिर्फ सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ही नहीं बल्कि कई अंतरराष्ट्रीय मीडिया संस्थानों की वेबसाइट्स भी प्रभावित हुई हैं। इनमें बीबीसी, डॉउचा वेले, रेडियो फ्री यूरोप रेडियो लिबर्टी जैसी साइट्स शामिल हैं। इसके अलावा गुमनाम ब्राउजिंग के लिए इस्तेमाल होने वाला टॉर ब्राउजर (Tor Browser) भी ब्लॉक कर दिया गया है। रूस में इंटरनेट सेवा प्रदाताओं को देश के राष्ट्रीय DNS सिस्टम का इस्तेमाल करना अनिवार्य है। यह सिस्टम Roskomnadzor नामक सरकारी एजेंसी की निगरानी में काम करता है, जो 'सॉवरेन इंटरनेट' कानून के तहत इंटरनेट कंट्रोल को लागू करता है। रिपोर्ट के मुताबिक, 2021 से ही रूस ने Google DNS जैसी वैकल्पिक DNS सेवाओं के उपयोग को भी धीरे-धीरे सीमित करना शुरू कर दिया था।

ग्रेटर नोएडा में उत्तर भारत की पहली सेमीकंडक्टर यूनिट: मोदी करेंगे उद्घाटन

ग्रेटर नोएडा। उत्तर भारत की पहली सेमीकंडक्टर यूनिट की आधारशिला 21 फरवरी को ग्रेटर नोएडा के यमुना सिटी सेक्टर-28 में रखी जाएगी। यह ऐतिहासिक समारोह यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण क्षेत्र में होगा, जहां एचसीएल ग्रुप और फॉक्सकॉन के संयुक्त उपक्रम इंडिया चिप प्राइवेट लिमिटेड द्वारा 3706 करोड़ का निवेश किया जाएगा।

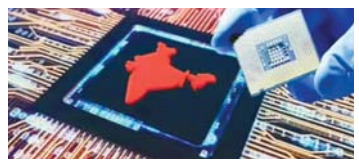

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से कार्यक्रम को संबोधित कर सकते हैं, जबकि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव व्यक्तिगत रूप से शिलान्यास करेंगे। यूपी सरकार ने कंपनी को सेक्टर-28 में 48 एकड़ जमीन आवंटित की है। यह यूनिट डिस्प्ले ड्राइवर आईसी का उत्पादन करेगी जो मोबाइल फोन, लैपटॉप, पीसी, ऑटोमोबाइल्स और अन्य डिस्प्ले पैनल वाले उपकरणों में उपयोग होती है। प्लांट की मासिक क्षमता 20000 वेफर्स होगी, जिससे मासिक 36 मिलियन चिप्स का उत्पादन संभव होगा।

मेट्रो एंकर

अजब प्रेम की गजब कहानी: पहले पति और अब प्रेमी अधर में

दामाद को लेकर भागी महिला अब बहनोई के साथ फरार!

दादों (अलीगढ़), एजेंसी

प्रेम की यह अजब कहानी है। अप्रैल 2025 में बेटी के विवाह से करीब 12 दिन पहले होने वाले दामाद राहुल को पति बनाने और जीवन भर साथ निभाने की बात कहने वाली सपना देवी उसे भी छोड़ गई। बिहार से लौटे राहुल ने दादों थाने पहुंचकर पुलिस को इसकी जानकारी दी है। उसने बताया कि उनके दो लाख रुपये और गहने लेकर महिला अपने बहनोई के साथ कहीं चली गई है। हालांकि दादों पुलिस ने मामला बिहार का बताकर पल्ला झाड़ लिया।

थाना दादों के गांव मछरिया नगला निवासी राहुल कुमार की शादी अप्रैल 2025 में थाना मडराक के गांव मनोहरपुर में तय हुई थी। सगाई के बाद उसकी होने वाली सास सपना देवी के साथ मोबाइल पर बात होने लगी। बातचीत का सिलसिला बढ़ा और धीरे-धीरे दामाद-सास की नजदीकियां प्यार में बदल गईं। राहुल और पुलिस के अनुसार विवाह से करीब 12 दिन पहले सपना देवी पति, परिवार को छोड़कर वह उसके पास चली आई थीं।

पति ने रिपोर्ट दर्ज कराई, पुलिस ने सक्रियता दिखाते हुए बिहार सहित कई राज्यों में दबिश दी। इसके बाद दोनों स्वयं दादों थाने पहुंचे। वहां से दोनों को मडराक थाने बुलाया गया, जहां सास और दामाद ने एक-दूसरे के साथ रहने की बात स्वीकार करते हुए जीवन भर साथ निभाने की कसमें खाईं। दोनों की सहमति और लिखित बयान के बाद छोड़ दिया गया और दोनों साथ रहने चले गए।

करीब दस माह बाद ही 11 फरवरी की दोपहर करीब दादों थाने पहुंचे राहुल ने पुलिस को बताया कि वह बिहार के एक जिले में रहकर फेरी लगाकर कपड़े बेचता है। वहां से छह फरवरी को उसे छोड़कर पत्नी सपना देवी अपने बहनोई के साथ कहीं चली गई है।

घटना हमारे क्षेत्र की नहीं

पीड़ित 11 फरवरी को थाने आया था। उसने कार्यालय में स्टाफ को प्रार्थना पत्र दिया है, लेकिन घटना हमारे थाना क्षेत्र की नहीं है, इसलिए कार्रवाई नहीं हो पाएगी।

-सरिता द्विवेदी, थाना प्रभारी दादों

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **संपादक राजेश सिरोठिया स्थानीय संपादक अनिल शर्मा*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-7963564